twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली DD

divyadelhi.com | सोमवार, 14 अप्रैल, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 158, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

वक्फ कानून पर बंगाल में हिंसा, 500 लोगों का पलायन

मालदा के स्कूल में शरण ली; आरोप- घर जलाए, पानी में जहर मिलाया

कोलकाता

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में फैली हिंसा से डरकर सैकड़ों लोग भागकर पास के मालदा जिले में पहुंच गए हैं। जानकारी के मुताबिक, ये सभी लोग भागीरथी नदी पार कर नावों के जरिए मालदा पहुंचे हैं। जहां प्रशासन ने इन पीड़ित लोगों के लिए स्कूलों में अस्थायी ठहरने और खाने-पीने की व्यवस्था की है। बता दें कि, मुर्शिदाबाद जिले के कई इलाकों जैसे सूती, धूलियन, जंगीपुर और समसेरगंज में वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क उठी। यह क्षेत्र मुस्लिम-बहुल है और प्रदर्शन धीरे-धीरे सांप्रदायिक तनाव में बदल गया।

पीड़ितों ने बताई हिंसा की दास्तां

धूलियन के मंदिरपाड़ा इलाके से भागी एक महिला ने बताया, 'हमारे घर जला दिए गए। कुछ बाहरी और स्थानीय लोगों ने मिलकर महिलाओं और लड़कियों के साथ दुर्व्यवहार किया, पुरुषों को पीटा गया। हमें कहा गया कि हम इलाके को छोड़ दें। हमारी जान को खतरा था, इसलिए हमने केंद्रीय बलों की मदद से घर छोड़ा।' एक बुजुर्ग महिला ने रोते हुए कहा, 'हमने हाथ जोड़कर हमलावरों से माफी मांगी, जबकि हमने कुछ गलत नहीं किया था। वे हथियार लहराकर हमारे घरों में घुसे और हमें मारते-पीटते रहे। हम जैसे-तैसे कुछ सामान लेकर नदी पार कर भाग निकले। वरना हम मारे जाते।'

कितने लोग पहुंचे मालदा?

विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के अनुसार, 'धूलियन से करीब 400 हिंदू नागरिक डर के मारे भागकर भागीरथी नदी पार कर मालदा जिले के बैष्णवनगर इलाके में पहुंचे हैं। उन्हें पर लालपुर हाई स्कूल में ठहराया गया है।' उन्होंने राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति से कट्टरपंथी ताकतों का हौसला बढ़ा है।

उन्होंने केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि पीड़ितों को सुरक्षित वापस लाने की व्यवस्था की जाए। वहीं मालदा प्रशासन की ओर से, पीड़ितों के लिए स्कूलों में ठहरने की व्यवस्था, खाने-पीने की सुविधा, नदी किनारे 20 युवकों की तैनाती, जो नावों से आने वालों की मदद कर रहे हैं।

मुर्शिदाबाद में अर्द्धसैनिक बलों ने रातभर चलाया तलाशी अभियान

कोलकाता

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ कानून में संशोधन के खिलाफ शुक्रवार और शनिवार को लगातार हुई दो दिनों तक हिंसा में अब तक तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि अब तक 138 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मृतकों में एक पिता-पुत्र की भीड़ द्वारा निर्मम हत्या की गई और एक युवक की सुरक्षा बलों की फायरिंग में मौत होना बताया जा रहा है। हालात को काबू में करने के लिए शनिवार रातभर अर्धसैनिक बलों ने सूती और शमशेरगंज समेत कई संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान चलाया।

तृणमूल के कुशासन के कारण राज्य में कानून-व्यवस्था बदहाल : शुभेंदु

कोलकाता

राज्य में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने बंगाल की हालिया तनावपूर्ण स्थिति को लेकर तृणमूल सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि पश्चिम बंगाल का सामाजिक ढांचा ध्वस्त हो चुका है। ममता बनर्जी का कुशासन और तुष्टिकरण की राजनीति पश्चिम बंगाल को जला रही है। पश्चिम बंगाल में बांग्लादेश जैसा धार्मिक उत्पीड़न चल रहा है, जिसका शिकार हिंदू हो रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में उग्रवादी कट्टरपंथियों द्वारा भड़काए गए आंदोलन के नाम पर हिंसा के डर से 400 से अधिक हिंदू हिंसा के डर से नदी पार कर मालदा के वैष्णवनगर के देवनापुर-शोभापुर ग्राम पंचायत के पार लालपुर हाई स्कूल में शरण लेने को मजबूर हुए हैं। ममता बनर्जी की वोट बैंक की राजनीति और तुष्टीकरण ने कट्टरपंथियों को इस हद तक प्रोत्साहित कर दिया है कि हिंदुओं को जीवित रहने के लिए अपने परिवारों के साथ अपनी ही जमीन छोड़ने पर मजबूर होना पड़ रहा है। विपक्ष के नेता ने आगे लिखा कि मैं मुर्शिदाबाद जिले में तैनात केंद्रीय अर्धसैनिक बलों, राज्य पुलिस और जिला प्रशासन से अनुरोध करता हूं कि वे वहां रहने वाले हिंदुओं के जीवन, आजीविका और सुरक्षा को तुरंत सुनिश्चित करें।

बंगाल में 'अफस्पा' लागू करने की मांग

बहरमपुर

वक्फ संशोधन अधिनियम के विरोध की आड़ में मुर्शिदाबाद सहित राज्य के विभिन्न इलाकों में हो रही हिंसा को लेकर पुरुलिया से भाजपा सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर पश्चिम बंगाल में अफस्पा (सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम) लागू करने की मांग की है। इस बारे में उन्होंने एक्स हैंडल पर पोस्ट भी किया है। भाजपा सांसद ज्योतिर्मय महतो ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि पश्चिम बंगाल के चुनिंदा सीमावर्ती जिलों को 'अफस्पा' के तहत 'अशांत क्षेत्र' घोषित किया जाए। ज्योतिर्मय सिंह ने रविवार को कहा कि बंगाल में पिछले कई दिनों से कश्मीर जैसे हालात बने हुए हैं- जब 1990 के दशक में हिंदुओं को पलायन करना पड़ा था। खासकर बंगाल के चार जिलों में, जिनमें मालदा, मुर्शिदाबाद, नादिया और दक्षिण 24 परगना शामिल हैं।

इसलिए केंद्रीय गृह मंत्री से 'अफस्पा' लागू करने और केंद्रीय बलों को नियंत्रण देने का अनुरोध किया है। उल्लेखनीय है कि वक्फ संशोधन अधिनियम के विरोध के नाम पर हिंसा से मुर्शिदाबाद में भयावह स्थिति बन गई है। शांति बहाल करने के लिए उच्च न्यायालय के आदेश पर शनिवार को जिले में केंद्रीय

कर्नाटक: ओबीसी आरक्षण बढ़ाकर 51 फीसदी करने की सिफारिश

बंगलूरू

कर्नाटक में जाति जनगणना आयोग ने आरक्षण प्रणाली को लेकर राज्य सरकार को एक बड़ा सुझाव दिया है। आयोग ने शिक्षा और नौकरियों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण को 32% से बढ़ाकर 51% करने की सिफारिश की है। रिपोर्ट के अनुसार अगर यह प्रस्ताव लागू होता है, तो राज्य में कुल आरक्षण बढ़कर 85% हो जाएगा। बता दें कि इसमें पहले से ही आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (इडब्लूयूएस) के लिए 10% और अनुसूचित जाति/जनजाति (एससी/एसटी) के लिए 24% आरक्षण शामिल है। इसके साथ ही, महिलाओं, दिव्यांगों जैसे समूहों को मिलने वाला क्षैतिज आरक्षण भी लागू रहेगा। (यहां क्षैतिज आरक्षण का अर्थ जो आरक्षण महिलाओं, विकलांग (दिव्यांग) व्यक्तियों, भूतपूर्व सैनिकों आदि के लिए होता है)

आर्थिक सर्वेक्षण के बाद राज्य सरकार को सिफारिश

आयोग द्वारा यह सिफारिश हाल ही में कराए गए सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण (जिसे जाति जनगणना भी कहा जाता है) के आधार पर की गई है। इस सर्वे के मुताबिक कर्नाटक में पिछड़े वर्गों की आबादी करीब 70% है। पैनल का मानना है कि अगर इतनी बड़ी आबादी को उनकी संख्या के हिसाब से सरकारी सुविधाएं और आरक्षण नहीं दिया गया, तो समानता नहीं हो पाएगी। मामले में पैनल का मानना है कि हालांकि ओबीसी की जनसंख्या 69.6% है, फिर भी राज्य की आधी से भी कम आबादी को आरक्षण मिल पा रहा है। अगर आबादी के अनुपात में आरक्षण नहीं दिया गया, तो सरकारी लाभों का समान वितरण नहीं होगा।

तमिलनाडु गवर्नर ने कॉलेज में लगवाया जय श्रीराम का जयघोष

चेन्नई

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने मदुरै में एक कॉलेज इवेंट में छात्रों से 'जय श्री राम' का जयकारा लगाने को कहकर विवाद खड़ा कर दिया है। मदुरै में एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रवि ने अपने संबोधन के आखिर में छात्रों से जयकारा लगाने के लिए कहा।

उद्योग हितधारकों को वैश्विक मानक स्थापित करने चाहिए: पीयूष गोयल

नई दिल्ली

केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कैपेक्सिल के वाइब्रेंट बिल्डकॉन-2025 को संबोधित किया। उन्होंने उद्योग जगत के हितधारकों से स्थिरता में सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने, आयात निर्भरता को कम करने, स्वच्छ और हरित निर्माण पर ध्यान केन्द्रित करने तथा भूकंपरोधी और मॉड्यूलर बुनियादी ढांचे की दिशा में काम करने पर जोर दिया।

गोयल ने निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र में भारत की बढ़ती ताकत पर प्रकाश डाला। उन्होंने वैश्विक क्षमता केन्द्रों (जीसीसी) से लेकर मेक इन इंडिया के तहत घरेलू विनिर्माण तक की चर्चा की। उन्होंने आवास, बुनियादी ढांचे, वाणिज्यिक अचल संपत्ति, रेलवे, हवाई अड्डों, राजमार्गों और ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, सीमेंट और इलेक्ट्रिकल्स से लेकर सुरक्षा प्रणालियों और स्वचालन तक हर तत्व इस पारिस्थितिकी तंत्र में एक भूमिका निभाता है। गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में तेजी से बुनियादी ढांचे का विकास हुआ है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने भारत मंडपम और यशोभूमि जैसे विश्वस्तरीय सम्मेलन केन्द्रों की परिकल्पना की थी।

कुछ लोग वक्फ के नाम पर भड़का रहे हिंसा: योगी

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने आंबेडकर का अंतिम संस्कार दिल्ली में नहीं होने दिया था

लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में रविवार को बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर सम्मान अभियान के तहत प्रदेश कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया। इस मौके पर उन्होंने कांग्रेस द्वारा बाबा साहब का अपमान करने की बात कही। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने आंबेडकर का अंतिम संस्कार दिल्ली में नहीं होने दिया था। इस पुरानी पार्टी ने भारतीय संविधान के निमार्ता का स्मारक बनाने से मना कर दिया था। इन्हीं लोगों ने बाबा साहब आंबेडकर को चुनाव हारने दिया। उनके 'महा परिनिर्वाण' के बाद स्मारक भी नहीं बनने दिया।

वक्फ के नाम पर हजारों एक-ड़ जमीन कब्जा की गई

मुख्यमंत्री ने वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर भी विपक्ष को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि वक्फ के नाम पर हजारों एकड़ जमीन कब्जा की गई है। वक्फ के पास उसका कोई राजस्व रिकॉर्ड नहीं है। अब जब कार्रवाई हो रही है तो कुछ लोग हिंसा भड़का रहे हैं। पश्चिम बंगाल में घर से घसीटकर तीन हिंदुओं की हत्या कर दी गई। यूपी में आज जो लोग दलित हितैषी होने की बात कहते हैं। इन्हीं के पार्टियों से जुड़े लोगों ने गरीब, वंचितों और दलितों की सबसे ज्यादा जमीनें कब्जा की हैं।

बेटियों को संपत्ति से वंचित करने की साजिश: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के एक संपत्ति विवाद में एक पुराने गोदनामे को खारिज कर दिया है। शीर्ष न्यायालय ने कहा कि यह गोदनामा जानबूझकर बनाया गया था ताकि बेटियों को उनके पिता की संपत्ति में हिस्सेदारी से वंचित किया जा सके। यह मामला भुनेश्वर सिंह नाम के व्यक्ति की संपत्ति से जुड़ा है, जिनकी दो बेटियां झ शिव कुमारी देवी और हरमुनिया हैं। एक व्यक्ति अशोक कुमार ने दावा किया कि उन्हें भुनेश्वर सिंह ने 1967 में गोद लिया था और इस आधार पर वह उनकी संपत्ति में अधिकार रखते हैं। उन्होंने गोदनामा और एक फोटो अदालत में पेश किया था।

पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट अब सुप्रीम कोर्ट से झटका

लेकिन इलाहाबाद हाईकोर्ट और अब सुप्रीम कोर्ट ने इस गोदनामे को खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि, 'हमने पूरी सुनवाई और दस्तावेजों को ध्यान से देखा और यह साफ है कि यह गोदनामा सिर्फ बेटियों को उनके हक से वंचित करने के लिए तैयार किया गया था।'

गोदनामे के लिए पत्नी की सहमति जरूरी

गोद लेने की प्रक्रिया में पत्नी की सहमति अनिवार्य होती है, लेकिन इस मामले में ऐसा नहीं हुआ। गोद लेने की तारीख थी 9 अगस्त 1967, लेकिन गोदनामे में पत्नी की न तो सहमति थी, न ही हस्ताक्षर, और न ही वह गोद लेने की रस्म में शामिल थीं। हाईकोर्ट ने भी माना कि गोद लेने की प्रक्रिया में जरूरी कानूनी नियमों का पालन

नहीं हुआ। अदालत ने यह भी कहा- एक गवाह ने भी गोद लेने की रस्म की तस्वीरों में मां को पहचानने से इनकार किया।

संपूर्ण राष्ट्र के महानायक है आंबेडकर: सीएम रेखा

नई दिल्ली

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को दिल्ली विधानसभा से डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य आयोजित वॉकथॉन को हरी झंडी दिखाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब किसी एक जाति के नहीं, संपूर्ण राष्ट्र के महानायक है, उन्हें केवल स्मरण नहीं, अपने कर्मों से जीवन में उतारना है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब से प्रेरित दिल्ली के स्कूलों में विशेष विधानसभा सत्र आयोजित किए जाएंगे। दिल्ली सरकार सामाजिक समरसता व संवैधानिक मूल्यों के प्रति जनजागरूकता और प्रतिबद्धता निभाने के लिए सतत रूप से कार्यरत है। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली विधानसभा में वॉकथॉन का आयोजन किया जिसमें सैकड़ों बच्चों ने भाग लिया। दिल्ली सरकार उनके दिखाए रास्ते पर चलने और यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। दिल्ली में हर नागरिक को दिल्ली सरकार के माध्यम से उसका अधिकार और सम्मान की रक्षा होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम ये मानते हैं कि बाबा साहेब कहने के व्यक्तित्व नहीं थे जीने के व्यक्तित्व थे। आज के समय में अपने कर्मों के माध्यम से उनको याद किया जाए और जिया जाए। बाबा साहेब आंबेडकर के जीवन को आदर्श मानते हुए और उनके कथनों को अपने जीवन में आत्मसात करते हुए संविधान की रक्षा की शपथ लेकर प्रधानमंत्री सरकार चलाते हैं।

बांस से बने 'कंपोजिट पैनल' से तैयार होंगे सैन्य बंकर

गुवाहाटी

गुवाहाटी स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के शोधकर्ताओं ने बांस के बने कंपोजिट पैनल विकसित किए हैं, जो सैन्य रक्षा स्थलों और बंकरों के निर्माण में बेहद ही कारगर साबित होंगे। यह पैनल पारंपरिक लकड़ी, लोहे और अन्य धातुओं की जगह लेंगे। संस्थान के अधिकारियों के अनुसार बांस मिश्रित पदार्थों में धातु घटकों के बराबर लचीलापन है और ये बुलेटप्रूफ भी हैं। फिलहाल शोधकर्ताओं द्वारा विकसित कंपोजिट पैनल का परीक्षण भारतीय सेना कर करी है। आईआईटी-गुवाहाटी की स्टार्ट-अप कंपनी एडमेका कंपोजिट प्राइवेट लिमिटेड ने प्रयोगशाला स्तर पर बांस से बने मिश्रित घटकों का निर्माण कर उनके यांत्रिक गुणों का परीक्षण किया है। पेड़ों की कटाई पर बढ़ते प्रतिबंधों और हरित विकल्पों के उद्देश्य से आईआईटी-गुवाहाटी के शोधकर्ताओं ने बांस से बनी मिश्रित सामग्री को विकल्प के रूप में तलाशा।

गरीबों का कल्याण-उत्थान हमारा संकल्प था, है और रहेगा: सैनी

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि शैक्षणिक सत्र 2025 - 26 से देश के किसी भी सरकारी कॉलेज में मेडिकल व इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले अनुसूचित जाति एवं ओ.बी.सी. के सभी विद्यार्थियों को पूर्ण छात्रवृत्ति दी जाएगी, इसके लिए एक पोर्टल बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री गुरुग्राम में महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के अवसर पर "ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज" द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस अवसर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री छगन भुजबल, सांसद उपेंद्र कुशवाह तथा कल्पना सैनी भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लोगों को वैसाखी की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज ही के दिन महान समाज सुधारक, विचारक, लेखक और दार्शनिक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती भी है। उन्होंने अमृतसर में जलियांवाला बाग में जनरल डायर के आदेश से अंग्रेजी सेना द्वारा गोलियां चलाने पर शहीद होने वाले नागरिकों को भी नमन किया।

महात्मा ज्योतिबा फुले ने समाज सुधारों के लिए समर्पित किया अपना जीवन

मुख्यमंत्री ने महात्मा ज्योतिबा फुले को नमन करते हुए कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले जी ने उस समय देश और समाज को जगाने का काम किया था, जब भारत गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा हुआ थी। उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन बाल विवाह को रोकने, विधवा विवाह का समर्थन करने, महिलाओं को शिक्षा का अधिकार दिलाने, छुआछूत को खत्म करने और समाज को सशक्त बनाने में लगा दिया। उन्होंने बालिकाओं की शिक्षा, विधवा विवाह, दलित उत्थान और शोषण के विरुद्ध आवाज उठाई, वह भी उस दौर में जब ये बातें सोचना भी कठिन था। उनका कहना था कि "शिक्षा ही व्यक्ति और समाज का उत्थान कर सकती है।" मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने अपनी पत्नी सावित्रीबाई फुले के साथ मिलकर भारत का पहला लड़कियों का स्कूल पुणे में खोला। उनकी पत्नी भी एक महान समाज सुधारक और भारत की पहली महिला शिक्षिका थीं। उन्होंने महिलाओं की शिक्षा, सशक्तिकरण और उनके अधिकारों के लिए अपना जीवन समर्पित किया । उन्होंने महात्मा फुले जी की जयंती पर राष्ट्रीय जागृति महासम्मेलन का आयोजन करने के लिए 'अखिल भारतीय सैनी सेवा समाज' की भी सराहना की। नायब सिंह सैनी ने कहा कि महात्मा फुले के आदर्श हमारे लिए दिशा सूचक हैं।

जलियांवाला बाग के शहीदों को श्रद्धांजलि, पीढ़ियां याद रखेंगी : पीएम मोदी

एजेंस

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को जलियांवाला बाग की शहादत याद दिलाई है। उन्होंने मासूम लोगों के बलिदान को स्वतंत्रता संग्राम का एक अहम मोड़ भी बताया है। प्रधानमंत्री मोदी ने बैसाखी के दिन दो पोस्ट की। पहले में बैसाखी की शुभकामनाएं दीं तो दूसरे में भारतीय इतिहास के काले अध्याय को याद दिलाया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- हम जलियांवाला बाग के शहीदों को श्रद्धांजलि देते हैं। आने वाली पीढ़ियां उनके अदम्य साहस को हमेशा याद रखेंगी। यह वास्तव में हमारे देश के इतिहास का एक काला अध्याय था। उनका बलिदान भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्वपूर्ण मोड़ बन गया।पीएम मोदी से पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी एक्स पोस्ट में उस नरसंहार को भारत के स्वतंत्रता संग्राम का काला अध्याय बताया। उन्होंने इसे अंग्रेजी हुकूमत की अमानवीयता की पराकाष्ठा बताया। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी जलियांवाला बाग नरसंहार को याद करते हुए लिखा- जलियांवाला बाग के अमर बलिदानियों को हम सिर झुकाकर नमन करते हैं। कृतज्ञ राष्ट्र उन निःशस्त्र स्वाधीनता सेनानियों की देशभक्ति, उनके साहस,

समर्पण, त्याग और निःस्वार्थ बलिदान को कभी नहीं भूलेगा। आजादी की लड़ाई में उनकी शहादत का अमिट योगदान अविस्मरणीय रहेगा।

बता दें, बैसाखी के दिन ही 1919 में अमृतसर स्थित जलियांवाला बाग में अंग्रेज अफसर ने क्रूरता की हद पार करते हुए निहत्थे और मासूम लोगों पर गोलियां चलाने का हुक्म दिया। चूंकि उस दिन बैसाखी थी, तो बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे मेले में शामिल होने आए थे। इस अमानवीय घटना में सैकड़ों की जान गई, जिसमें बच्चे और महिलाएं भी शामिल थीं। जलियांवाला बाग में उस दिन अंग्रेजों के दमनकारी कानून %रॉलेट एक्ट% के खिलाफ शांतिपूर्ण सभा का भी आयोजन किया गया था। अंग्रेजों ने शहर में कर्फ्यू का ऐलान किया था, इसके बावजूद हजारों की संख्या में लोग जनसभा में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे थे। सभा में इतनी बड़ी संख्या में भीड़ देखकर अंग्रेज अफसर बौखला गए और भीड़ को संभालने पहुंचे जनरल रेजीनॉल्ड डायर ने 90 सिपाहियों को गोली चलाने का आदेश दे दिया और बिना किसी चेतावनी के भीड़ पर गोलियां दाग दी गईं।

गुना में अब स्थिति नियंत्रण में

एजेंसी

गुना। मध्यप्रदेश के गुना जिला मुख्यालय के एक क्षेत्र में हनुमान जयंती पर निकाले जा रहे जुलूस पर कथित तौर पर पथराव के बाद दो पक्षों में टकराव के चलते स्थिति नियंत्रित करने के लिए पुलिस को सख्ती दिखाना पड़ी। अब क्षेत्र में स्थिति नियंत्रण में है और पुलिस ने अतिरिक्त बल तैनात कर दिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार शनिवार शाम को यहां कर्नलगंज क्षेत्र में एक धार्मिक स्थान के समीप हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में जुलूस निकाला जा रहा था। इसी दौरान दो पक्षों में विवाद की स्थिति बनी और कुछ लोगों ने पथराव कर दिया। इसके बाद दो पक्षों में जमकर टकराव हुआ और पथराव की घटनाएं हुयीं। पुलिस ने तत्काल सक्रिय होकर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। इस बीच कुछ संगठनों के लोग इस घटना के विरोध में सड़क पर उतर आए। पुलिस ने प्रभावित क्षेत्रों में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। सूत्रों ने कहा कि देर रात पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात कर दिया। वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। एक पार्षद की शिकायत पर पुलिस ने कुछ लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की है। इसमें अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस अब इस मामले के वीडियो के आधार पर भी आरोपियों की पहचान कर रही है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि उसकी प्राथमिकता शहर में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखना है। इसके साथ ही आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

बारिश से फसल भीगी तो अधिकारियों पर होगी सख्त कार्रवाई : मुख्यमंत्री

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अनाज मंडियों में किसानों की फसलों की सुरक्षा को लेकर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि यदि किसी भी मंडी में किसानों की सरसों या गेहूं की फसल बारिश के कारण भीगती है, तो इसके लिए जिम्मेदार हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री सैनी ने हाल ही में कुछ समाचार पत्रों में प्रकाशित सिरसा के नाथूसरी चौपटा और नारनौंद की अनाज मंडियों में किसानों की फसलों के भीगने की खबरों पर तत्काल संज्ञान लिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब किसान अपनी मेहनत की कमाई फसल लेकर मंडी पहुंचते हैं, तो उनकी फसल को मौसम की मार से बचाना हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने इन घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जो भी अधिकारी या कर्मचारी फसल की सुरक्षा सुनिश्चित करने में लापरवाही बरतते हुए दोषी पाया जाएगा, उसे किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं कि इस मामले में त्वरित जांच कर दोषियों की पहचान की जाए और उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने का आदेश दिया है कि इस कार्रवाई की विस्तृत जानकारी उन्हें आगामी 15 अप्रैल तक उपलब्ध कराई जाए। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री सैनी ने विभागीय अधिकारियों को भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मौसम के पूर्वानुमान पर लगातार नजर रखी जाए और मंडियों में आने वाली फसलों की सुरक्षा के लिए पहले से ही पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की आर्थिक क्षति न हो। मुख्यमंत्री का यह कड़ा संदेश किसानों को उनकी फसल की सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

जयपुर में भीषण सड़क हादसा: खाटूश्यामजी जा रहे एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

जयपुर। राजधानी के जमवारामगढ़ इलाके में रविवार सुबह एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ, जिसमें एक ही परिवार के पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि क्षणभर में हंसता-खेलता परिवार बिखर गया। मृतकों में छह महीने की मासूम बच्ची भी शामिल है। हादसा मनोहरपुर-दौसा हाईवे पर नेकावाला टोल के पास हुआ, जब कार और ट्रेलर की आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रेलर रोड से नीचे उतरकर पलट गया, जबकि कार के आगे का हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। रायसर थाना अधिकारी रघुवीर सिंह ने बताया कि हादसा सुबह करीब 8 बजे हुआ। लखनऊ निवासी सत्य प्रकाश (60) अपनी पत्नी रामा देवी (55), बेटे अभिषेक (35), बहू प्रियांशी (30) और 6 महीने की पोती वर्ना के साथ खाटूश्यामजी के दर्शन के लिए निकले थे। लेकिन उनकी यह यात्रा, उनकी आखिरी यात्रा बन गई। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। कार में सभी लोग बुरी तरह फंसे हुए थे। शवों को निकालने के लिए पुलिस और स्थानीय लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। घटना स्थल पर क्षणभर के लिए सन्नाटा पसर गया। राहगीरों की आंखें नम थीं। पुलिस को आशंका है कि यह हादसा ओवरटेक की कोशिश के दौरान हुआ। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए चंदवाजी स्थित निम्स हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। हादसे की जांच की जा रही है।

जलियांवाला बाग नरसंहार - अमित शाह ने बताया 'काला अध्याय जिसने देश को झकझोरा', सीएम योगी ने शहीदों को किया नमन

● देश अमर बलिदानियों को सदा अपनी स्मृतियों में संजोए रखेगा।'

एजेंसी

नई दिल्ली। जलियांवाला बाग नरसंहार को याद करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रद्धांजलि अर्पित की है। शाह ने उस घटना को काला अध्याय तो योगी आदित्यनाथ ने उस स्थान को पवित्र तीर्थ बताया है। केंद्रीय गृहमंत्री ने एक्स पोस्ट में लिखा- जलियांवाला बाग नरसंहार भारत के

स्वतंत्रता संग्राम का वह काला अध्याय है, जिसने समूचे देश को झकझोर कर रख दिया। अमानवीयता की पराकाष्ठा तक पहुंच चुकी अंग्रेजी हुकूमत की क्रूरता से देशवासियों में जो रोष उत्पन्न हुआ, उसने आजादी के आंदोलन को जन-जन का संग्राम बना दिया। प्राणों को न्योछावर करने वाले अमर सपूतों को नमन करते हुए उन्होंने आगे कहा, 'जलियांवाला बाग में शहीद हुए बलिदानियों को नमन करता हूं। देश अमर बलिदानियों को सदा अपनी स्मृतियों में संजोए रखेगा।' योगी आदित्यनाथ ने भी सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

उन्होंने वीर सपूतों को नमन करते हुए लिखा- जलियांवाला बाग के अमर बलिदानियों को कोटि-कोटि नमन! जलियांवाला बाग सभी देशभक्तों के लिए एक पवित्र तीर्थ है, जहां मातृभूमि के वीर सपूतों ने ब्रिटिश हुकूमत की बर्बरता का प्रतिकार करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी थी। उन्होंने शहादत को प्रेरणास्पद बताते हुए आगे कहा- जलियांवाला बाग के अमर क्रांतिकारियों का बलिदान राष्ट्र के स्वाभिमान और स्वतंत्रता की अमर गाथा है, जो सदैव प्रेरणा देती रहेगी। 13 अप्रैल 1919 को अमृतसर स्थित जलियांवाला बाग में अंग्रेज अफसर जनरल डायर ने बैसाखी के मौके पर आयोजित समारोह में निहत्थे लोगों पर अंधाधुंध गोलियां चलवा दी थीं। इस हृदयविदारक घटना में अनगिनत लोगों की जान गई, इनमें बच्चे और महिलाएं भी शामिल थीं। कई लोग कुचल गए और संकरे रास्ते के कारण बाहर निकल नहीं पाए थे। डर की वजह से कई महिलाओं ने अपने बच्चों के साथ बाग में मौजूद एक कुएं में छलांग लगा दी थी। ये सभी यहां ब्रिटिश हुकूमत के रॉलेट एक्ट के विरोध में आयोजित जलसे में शामिल हुए थे। इस एक्ट के तहत किसी भी भारतीय को बिना मुकदमा चलाए गिरफ्तार किया जा सकता था।

हेराल्ड हाउस केस - ईडी ने एसोसिएटेड जर्नल्स की संपत्तियां जब्त करने के लिए दिया नोटिस

एजेंसी की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि इन संपत्तियों का कुल मूल्य 661 करोड़ रुपए है।

एजेंसी

नई दिल्ली। हेराल्ड हाउस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की 661 करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ईडी ने एजेएल की दिल्ली, मुंबई और लखनऊ की संपत्तियों को जब्त करने के लिए नोटिस जारी किए। एजेंसी की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि इन संपत्तियों का कुल मूल्य 661 करोड़ रुपए है। नोटिस की प्रति इन संपत्तियों पर भी चस्पा की गई है। इसके साथ ही, मुंबई स्थित हेराल्ड हाउस की सातवीं, आठवीं और नौवीं मंजिल पर स्थित जिंदल साउथ वेस्ट प्रोजेक्ट्स

लिमिटेड को मासिक किराया/लीज की राशि ईडी के निदेशक के पास जमा कराने का आदेश दिया गया है। हेराल्ड हाउस का स्वामित्व एजेएल के पास है। इस मामले में राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के अलावा कई कांग्रेस नेताओं के नाम सामने आए थे। इनमें सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और एक निजी कंपनी यंग इंडिया भी शामिल है। अन्य आरोपियों में मोतीलाल वोहरा और ऑस्कर फर्नांडिस अब जीवित नहीं हैं। यंग इंडिया का स्वामित्व सोनिया गांधी और उनके पुत्र राहुल गांधी के पास है। आरोप है कि यंग इंडिया ने एजेएल की 2,000 करोड़ रुपए की संपत्तियां महज 50 करोड़ रुपए में खरीदी थीं, जो उनके वास्तविक मूल्य से काफी कम है। ईडी ने 2021 में इस मामले की जांच शुरू की और पाया कि एजेएल की आपराधिक आय 988 करोड़ रुपए है। इसकी वसूली के लिए उसने 20 नवंबर 2023 में 661 करोड़ रुपए की उसकी संपत्तियों को अस्थायी तौर पर कुर्क किया था, जिसकी बाद में 10 अप्रैल 2024 को पुष्टि कर दी गई थी। अब इन संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

स्थानीय निकायों को स्वच्छता की संस्कृति को आगे बढ़ाना चाहिए: केरल के राज्यपाल

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कहा है कि स्थानीय निकायों को राज्य में स्वच्छता की संस्कृति को आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें अपने राज्य को एक आकर्षक गंतव्य बनाने के लिए अपनी आदतों, अपने व्यवहार और कार्यों में स्वच्छ रहना होगा। स्वच्छ भारत अभियान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान को याद करते हुए राज्यपाल ने कहा कि पर्यटन को बढ़ावा देने में भी स्वच्छता की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकायों को अच्छे अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं को अपनाने में नेतृत्व दिखाना चाहिए। सर्वोत्तम प्रदर्शन करने वाली पंचायत, नगर पालिका और निगम के लिए

पुरस्कार प्रदान करते हुए राज्यपाल ने कहा कि स्वच्छता एक दिन का मामला नहीं है, बल्कि हमारे परिसर - पड़ोस और समुदाय - को साफ रखने के लिए निरंतर प्रयासों की आवश्यकता है।

अभी चुनावों की प्रक्रिया इतनी लंबी है कि देश की प्रगति रुक जाती है - शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

पटना। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 'वन नेशन-वन इलेक्शन' के मुद्दे पर पटना के रामकृष्ण द्वारका कॉलेज में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि देश में अभी चुनावों की प्रक्रिया इतनी लंबी और निरंतर चलने वाली है कि इससे देश की प्रगति रुक जाती है। चौहान ने कहा कि राजनीतिक दल हर साल किसी न किसी चुनाव की तैयारी में लगे रहते हैं, जिससे विकास की गति धीमी हो जाती है। अब समय आ गया है कि देश के हर वर्ग की यही मांग है कि चुनाव एक साथ होने चाहिए ताकि संसाधनों और समय का सही उपयोग किया जा सके। कार्यक्रम के दौरान, बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे और उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा भी उपस्थित थे। दीप प्रज्वलन के साथ

कार्यक्रम की शुरुआत हुई। शिवराज सिंह चौहान ने 'वन नेशन-वन इलेक्शन' के पक्ष में अपने विचार रखते हुए कहा कि जब एक राज्य में चुनाव होते हैं, तो वहां पर अन्य राज्यों के अधिकारी भी चुनावी कार्यों में जुट जाते हैं।

धर्म सृष्टि का आधार, मतांतरण की आवश्यकता नहीं, सनातन संस्कृति से विश्व कल्याण : मोहन भागवत

यह धर्म का भाव ही समाज को एकजुट रखता है और जीवन की हर गतिविधि को संचालित करता है।

एजेंसी

वलसाड। गुजरात के वलसाड में एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने समाज, धर्म और संस्कृति के महत्व पर विस्तृत विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हमारा समाज प्राचीन काल से चला आ रहा है और इसमें संतों से लेकर सामान्य व्यक्ति तक सभी के हृदय में धर्म का भाव विद्यमान है। यह धर्म का भाव ही समाज को एकजुट रखता है और जीवन की हर गतिविधि को संचालित करता है। भागवत ने कहा कि धर्म केवल कुछ लोगों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समस्त विश्व के लिए

एक ही है, चाहे कोई धर्मी हो, अधर्मी हो या विधर्मी हो। यह वह नियम है, जिसके आधार पर सृष्टि की उत्पत्ति हुई, जिसके द्वारा यह चल रही है और जिसके तहत इसका अंत भी होगा। उन्होंने कहा कि सृष्टि की उत्पत्ति सत्य से हुई है और हमारे ऋषि-मुनियों ने सबसे पहले इस सत्य को जाना। यही कारण है कि दुनिया भले ही अलग-अलग दिखती हो, लेकिन मूल रूप से वह एक ही है। इस एकता के दर्शन को अपनाने की आवश्यकता है। भागवत ने कहा कि विभिन्न पूजा पद्धतियां और श्रद्धा के तरीके भले ही अलग हों, लेकिन इनका लक्ष्य एक ही है। कोई व्यक्ति किसी भी भगवान की पूजा करे, उसकी श्रद्धा का आधार वही एक सत्य है। इसलिए मतांतरण की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने संत गुलाबराव महाराज का उदाहरण देते हुए बताया कि जब उनसे पूछा गया कि यदि सभी धर्म समान हैं तो ईसाई या मुसलमान बनने से क्या फर्क पड़ता है, तो उन्होंने जवाब दिया कि यदि सभी धर्म समान हैं तो फिर हिंदू ही क्यों न बने रहें। भागवत ने मतांतरण के पीछे के कारणों पर कहा कि मतांतरण का उद्देश्य अक्सर अपनी सत्ता, प्रभाव और विस्तार को बढ़ाना होता है। यह मनोवृत्ति तब उत्पन्न होती है, जब लोग भौतिक सत्ता की चाह में आत्मिक मूल्यों को भूल जाते हैं।

दिल्ली में अंबेडकर जयंती पर मैराथन का आयोजन, सीएम रेखा गुप्ता ने दिखाई हरी झंडी

'बाबा साहब ने हमें सम्मान के साथ जीना सिखाया और समानता का पाठ पढ़ाया।'

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती को भव्य तरीके से मनाने की तैयारियों में जुटी है। इस अवसर पर दिल्ली सरकार ने रविवार को एक मैराथन का आयोजन किया, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। इस दौड़ को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस अवसर पर कहा, दिल्ली सरकार बाबा साहब के दिखाए रास्ते पर चलने और उनके सिद्धांतों को आत्मसात करने के लिए पूरी तरह

प्रतिबद्ध है। बाबा साहब ने हमें सम्मान के साथ जीना सिखाया और समानता का पाठ पढ़ाया। आज का यह आयोजन उनके प्रति हमारी श्रद्धांजलि है। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य है कि हर नागरिक को उसका हक मिले और समाज में समानता व न्याय का माहौल बने। बाबा साहब केवल कहने की नहीं, बल्कि जीने की शख्सियत थे। हमें उन्हें न केवल याद करना है, बल्कि अपने कार्यों के माध्यम से उनके आदर्शों को जीना है। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने भी इस अवसर पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, अंबेडकर जयंती का यह आयोजन युवाओं को बाबा साहब के विचारों से जोड़ने का एक शानदार अवसर है। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को हम भूल नहीं सकते। दिल्ली सरकार शिक्षा के माध्यम से उनके सपनों को साकार करने के लिए कटिबद्ध है।

बाजवा का सनसनीखेज दावा: पंजाब में 18 बम फटे, 30-32 और इस्तेमाल होने का खतरा

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा ने एक चौंकाने वाला बयान दिया है, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि उनके सूत्रों ने उन्हें पंजाब में कई बम आने की चेतावनी दी है। बाजवा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उनके सूत्रों के अनुसार, पहले ही 18 बम फट चुके हैं और 30 से 32 बम और इस्तेमाल किए जा सकते हैं। बाजवा ने अपनी सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि उनके सूत्रों ने उन्हें बताया है कि चूंकि वह एक महत्वपूर्ण पद पर हैं, इसलिए उन्हें सतर्क रहना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट किया कि वह काउंटर इंटेलिजेंस के साथ पूरा सहयोग कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य लोगों की जान बचाना और पंजाब सरकार की मदद करना है। हालांकि, बाजवा ने अपने सूत्रों का खुलासा करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने काउंटर इंटेलिजेंस टीम को वह सब जानकारी दे दी है जो वह दे सकते थे, लेकिन वह अपने सूत्रों की पहचान उजागर नहीं करेंगे। बाजवा ने इस मामले में मीडिया की भूमिका पर भी सवाल उठाया।

राष्ट्रपति ने वैशाखी, विषु, बोहाग बिहू, पोयला बोइशाख, मेषादी, वैशाखादि की शुभकामनाएं दीं

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 13, 14 और 15 अप्रैल को मनाए जाने वाले वैशाखी, विषु, बाहाग बिहू, पोयला बोइशाख, मेषादी, वैशाखादि और पुतांदु पिरापु की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं।राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा कि वैशाखी, विषु, बोहाग बिहू, पोयला बोइशाख, मेषादी, वैशाखादि और पुतांदु पिरापु के शुभ अवसर पर, मैं भारत और अन्य देशों में रह रहे सभी भारतीयों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। देश के विभिन्न भागों में फसल कटाई के समय मनाए जाने वाले ये पर्व हमारी सामाजिक परंपराओं और विविधता में एकता के प्रतीक हैं। इन त्योहारों के द्वारा हम अन्नदाताओं के प्रति कृतज्ञता और सम्मान व्यक्त करते हैं। ये पर्व हमें प्रकृति के संरक्षण और भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रसार का भी संदेश देते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि मैं कामना करती हूं कि ऊर्जा और उल्लास से भरपूर ये त्योहार हमें अपने राष्ट्र के विकास में दृढ़ संकल्प के साथ योगदान देने के लिए प्रेरित करें।

गुजरात में जिला अध्यक्षों के चुनाव के लिए कांग्रेस ने पर्यवेक्षक नियुक्त किए

नई दिल्ली। कांग्रेस ने 2027 में होने वाले आगामी चुनावों को लेकर गुजरात में अभी से तैयारी शुरू कर दी है। इस कड़ी में राज्य में 41 जिला अध्यक्षों के चुनाव को हरी झंडी दे दी गई है। इन 41 जिला अध्यक्षों के नाम तय करने के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के 50 और प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के 183 नेताओं को जिम्मा सौंपा गया है। यह जानकारी पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आज यहां दी। हाल ही में गुजरात में आयोजित पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन के बाद पारित प्रस्तावों को लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसी के तहत कांग्रेस ने आज गुजरात में जिला अध्यक्षों के चुनाव के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। एआईसीसी के 50 (जिनमें 7 सहायक के रूप में होंगे) और पीसीसी के 183 नेताओं को 41 अध्यक्षों के चयन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। एआईसीसी के पर्यवेक्षकों में शामिल प्रमुख नेताओं में बालासाहेब थोराट, बीके. हरिप्रसाद, मणिकम टैगोर, मीनाक्षी नटराजन, विजय इंदर सिंगला, क़ाज़ी मोहम्मद निज़ामुद्दीन, अजय कुमार लल्लू, इमरान मसूद, बीवी श्रीनिवास आदि हैं। पर्यवेक्षकों की नियुक्ति के बाद पहली बैठक 15 अप्रैल को मोडासा में होगी।

मुर्शिदाबाद हिंसा गलत, विरोध का तरीका लोकतांत्रिक होना चाहिए : उदित राज

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन में हुई हिंसा को कांग्रेस नेता उदित राज ने गलत बताया है। उन्होंने कहा कि विरोध लोकतांत्रिक तरीके से होना चाहिए, हिंसक नहीं। इसके साथ ही उन्होंने 26/11 आतंकी हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा की सजा को लेकर भी अपने विचार रखे। न्यूज एजेंसी से बातचीत के दौरान कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि आतंकी तहव्वुर राणा की 26/11 आतंकी हमले में भूमिका थी। आतंकी को भारत लाने में हमें 11 साल लगे। तहव्वुर राणा हमारे देश का दुश्मन है और उसे फांसी की सजा होनी चाहिए। इसके अलावा, मुंबई 26/11 आतंकी हमले में जो भी लोग शामिल थे, उन्हें भी भारत लाकर सजा दी जानी चाहिए। मुर्शिदाबाद हिंसा पर उदित राज ने कहा, भारत एक लोकतांत्रिक देश है और लोगों के लिए विभिन्न मुद्दों पर अलग-अलग राय या असहमति होना स्वाभाविक है। हम लोग भी वक्फ बिल के पारित होने से सहमत नहीं हैं। किसी भी तरह का विरोध या आंदोलन लोकतांत्रिक तरीके से होना चाहिए। हिंसा या आगजनी के लिए कोई जगह नहीं है। हालांकि, मैं मानता हूं कि वक्फ बिल सही तरीके से पास नहीं किया गया है। बता दें, मुर्शिदाबाद मवक्फ कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान हिंसा भड़क गई। कुछ असामाजिक तत्वों ने पुलिस पर पत्थर भी फेंके, जिसके बाद स्थिति को कंट्रोल करने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

यूट्यूबर से मांगी 13 करोड़ की फिरौती, धरा गया

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले की बवाना थाना पुलिस ने एक कारोबारी से 13 करोड़ की फिरौती मांगने के मामले में आरोपित विशाल उर्फ कटिया को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया विशाल बवाना इलाके का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से जबरन वसूली के लिए कॉल करने के लिए इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन बरामद किया है। बाहरी उत्तरी जिले के डीसीपी निधिन वलसन ने बताया कि 10 अप्रैल को शिकायतकर्ता ने पुलिस को शिकायत दी कि एक अनजान नंबर से उन्हें कॉल आई। कॉलर ने उनसे 13 करोड़ की फिरौती मांगी। रुपये न देने पर कॉलर ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी है। डीसीपी के अनुसार शिकायतकर्ता एक यूट्यूबर है, जिसने करीब 11 महीने पहले उन्होंने वामिका शर्मा के साथ प्रेम विवाह किया था। शिकायतकर्ता के ससुर का छह साल पहले निधन हो गया था। उनके निधन के बाद उनकी सारी संपत्ति उनकी दो बेटियों, दो बेटों में बांटी गई। शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में बताया कि नौ अप्रैल को वह किसी काम से बवाना सेक्टर-1 गए थे। रात करीब साढे आठ बजे उनके मोबाइल पर एकअनजान नंबर से कॉल आई। कॉलर ने खुद का नाम विशाल बताया और खुद को इलाके का कुख्यात अपराधी बताया।

भारत की सांस्कृतिक विरासत सबको समाहित करने की बात कहती है : उपराष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत सबको समाहित करने की बात कहती है। इसमें टकराव की कोई गुंजाइश नहीं है। धनखड़ ने लाल किले के माधोदास पार्क में विक्रमोत्सव 2025 के अवसर पर सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुति 'महानाट्य' में भाग लिया और समारोह को संबोधित भी किया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत एवं दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने कहा कि लंबे अंतराल के बाद भारत ने एक नए युग में प्रवेश किया है। आर्थिक संपन्नता, आर्थिक उछाल, दुनिया की संस्थाओं द्वारा प्रशंसा, संस्थागत ढांचे के अंदर भारी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि जब भारत विकास में इतना आगे बढ़ रहा है, महाशक्ति बनकर उभर रहा है, दुनिया की नजर भारत पर है, तो

स्वाभाविक है कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रति हमारा लगाव बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई देश दुनिया में ऐसा नहीं है जिसकी सांस्कृतिक विरासत 5000 साल पुरानी हो। उन्होंने भारत को विश्व का सांस्कृतिक और सभ्यता का केंद्र बताते हुए इसे एक सुखद संकेत करार दिया। धनखड़ ने कहा कि अब अंग्रेजियत को छोड़ने का समय आ गया है। अपना भारत बदल रहा है, तकनीकी की पढ़ाई अलग-अलग भाषाओं में होने लग गई है। पहले सोचा नहीं था कि डॉक्टर और इंजीनियर बनेंगे तो अंग्रेज़ी में ही पढ़ना पड़ेगा। यह क्रांतिकारी बदलाव आ गया है। हमारी सभी भाषाएं हमें गौरव देती हैं। देश और दुनिया में उनका नाम है। हमारी सांस्कृतिक विरासत सबको समाहित करने की बात कहती हैं, टकराव की कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे याद बचपन में अंग्रेजी के मार्क्स मिलते थे, अंग्रेजी रैंकिंग सब्जेक्ट था, फिर देश में एक बड़ा बदलाव आया, एक सरकार इमरजेंसी के बाद आई और अंग्रेजी को रैंकिंग सब्जेक्ट नहीं रखा । 2009 में क्या कारण थे मुझे नहीं पता, एक बार पलटा खा गए और अंग्रेजी को क्वालीफाइंग सब्जेक्ट की बजाए रैंकिंग सब्जेक्ट कर दिया। भाषा हमारी संस्कृतिक धरोहर का एक हिस्सा है। हर भाषा गुणात्मक रूप से हमें प्रभावित करती है। दक्षिण में जाएं, उत्तर में जाएं, पूर्व में जाएं, पश्चिम में जाएं और यही सोच हमें जोड़ती है। जो चीज़ जोड़ने की है, वह हमें अलग थलग कर नहीं सकती है, यह हमारे सोचने, चिंतन और मंथन का विषय है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज के दिन सम्राट विक्रमादित्य को याद कर रहे हैं। उनके साथ न्याय और सुशासन जुड़ा है। हमें दिल टटोलना चाहिए जो संवत पहले शुरू हो गया, हमें उसकी पालना करनी चाहिए। उसमें आपको विधि दिखेगी, तकनीकी दिखेगी, संस्कृति दिखेगी और उसमें विज्ञान भी दिखेगा और विज्ञान के वो पहलू नज़र आते हैं।

सीआईएसएफ ने राष्ट्रीय पुलिस स्मारक में अपने शूरवीरों को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) द्वारा राष्ट्रीय पुलिस स्मारक चाणक्यपुरी

में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह समारोह पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के उन शूरवीरों को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित किया गया, जिन्होंने राष्ट्र की सेवा में अपने प्राणों की आहुति दे दी। श्रद्धांजलि के साथ-साथ सीआईएसएफ ने इन शूरवीरों के परिवारों को भी सम्मानित किया।सीआईएसएफ मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार यह समारोह उन 127 शूरवीर सीआईएसएफ कर्मियों को समर्पित था, जिन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा के लिए असाधारण समर्पण, साहस और प्रतिबद्धता दिखाते हुए कर्तव्यपथ पर सर्वोच्च बलिदान दिया। इस कार्यक्रम ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सीआईएसएफ की मजबूत प्रतिबद्धता की पुष्टि की और राष्ट्र की अखंडता की रक्षा में अपने कर्मियों द्वारा किए गए बलिदानों को सम्मानित किया।

सुबह के सत्र में सीआईएसएफ के विशेष महानिदेशक प्रवीर रंजन ने वरिष्ठ सीआईएसएफ अधिकारियों और कर्मियों के साथ एनपीएम में केंद्रीय शिल्पाकृति पर पुष्पांजलि अर्पित कर शूरवीरों को श्रद्धांजलि दी।

मंदिरों की देखरेख सरकार के हाथों में नहीं होनी चाहिएः महंत अवधेश दास

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित 'अयोध्या पर्व' के दूसरे दिन बड़ा भक्तमाल अयोध्या के महंत अवधेश दास जी ने कहा कि मंदिरों की देखरेख शास्त्र सम्मत ढंग से होनी चाहिए, सरकार सम्मत नहीं। इस सत्र में इतिहास और संस्कृति के प्रसिद्ध विद्वान 'पद्मश्री' भरत गुप्त ने इस मत को आगे बढ़ाते हुए कहा कि जिन संप्रदायों से मंदिर जुड़े हैं, उन्हीं संप्रदायों के लोग ही उनका प्रबंधन समुचित ढंग से कर सकते हैं। उक्त विद्वान दूसरे दिन के प्रथम सत्र 'भारतीय समाज में मंदिर प्रबंधन' पर अपने मत व्यक्त कर रहे थे। तीन दिवसीय 'अयोध्या पर्व' इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के परिसर में चल रहा है। महंत अवधेश दास जी ने कहा कि धर्म से राजनीति का निर्धारण हो सकता है, लेकिन राजनीति धर्म का मार्ग तय नहीं कर सकती। भरत गुप्त ने कहा कि यह संयोग है कि रामजन्म भूमि के लिए एक गैर-सरकारी प्रबंध समिति गठित की गयी है। इसके विपरीत प्रायः पूरे देश में

प्रसिद्ध मंदिरों पर सरकार का ही नियंत्रण है। इस सत्र को भारतीय रेल सेवा के वरिष्ठ अधिकारी राजीव वर्मा, दिल्ली सरकार में उप महालेखा परीक्षक आशीष सिंह और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के डीन (प्रशासन) डॉ. रमेश चंद्र गौड़ ने भी संबोधित किया। अयोध्या के पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। सायं का सत्र 'भारतीय संस्कृति के नवाचार में तुलसीदास जी का योगदान' विषय पर केंद्रित था। इसे हनुमन्निवास अयोध्या के श्रीमहंत मिथिलेश नंदिनी शरण जी, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. चंदन चौबे, कला एवं रंगमंच समीक्षक ज्योतिष जोशी, साहित्यकार उमेश प्रसाद सिंह और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के डीन (अकादमिक) प्रो. प्रतापानंद झा ने संबोधित किया। दोनों सत्रों का संचालन भारती ओझा ने किया। सायंकाल सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए।

इटली के उप प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति से की मुलाकात

भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने पर जताई सहमति

एजेंसी

नई दिल्ली। इटली के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जतायी कि आने वाले समय में भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगी। राष्ट्रपति भवन में उप प्रधानमंत्री तजानी और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और इटली दोनों ही प्राचीन सभ्यतागत विरासत में निहित हैं। हमारे दर्शन, साहित्य और कला के माध्यम से विश्व को योगदान देने का गौरवशाली इतिहास रहा है। हम सदियों से व्यापार और लोगों तथा विचारों के आदान-प्रदान के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। समकालीन युग, वर्तमान युग में, दोनों देश उभरती प्रौद्योगिकियों, नवाचार और रक्षा में घनिष्ठ सहयोग कर रहे हैं और जी-20 जैसे बहुपक्षीय मंचों पर भी मिलकर काम कर रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश में वृद्धि की बहुत संभावना है। भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि और

2047 तक विकसित भारत का रोडमैप औद्योगिक साझेदारी और सहयोग के लिए कई अवसर प्रस्तुत करता है। उन्होंने इतालवी कंपनियों और सार्वजनिक उपक्रमों को विशेष रूप से विनिर्माण और सह-उत्पादन के लिए भारत में अपने परिचालन का विस्तार करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने इतालवी हरित प्रौद्योगिकी कंपनियों से भारतीय उद्योग के साथ सहयोग और साझेदारी की संभावनाओं का पता लगाने का भी आग्रह किया।राष्ट्रपति को यह जानकर खुशी हुई कि इतालवी विश्वविद्यालय और शोधकेंद्र भारतीय भागीदारों के साथ सहयोग की संभावनाएं तलाश रहे हैं। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति ने विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में परिसर खोलने की सुविधा प्रदान की है। इतालवी विश्वविद्यालयों को भारत में परिसर खोलने के लिए आमंत्रित किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि तजानी दो दिवसीय दौरे पर भारत पहुंचे थे।

एम्स भुवनेश्वर में अत्याधुनिक केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा नेओडिशा के भुवनेश्वर में अखिल भारतीय आर्य विज्ञान संस्थान (एम्स) में अत्याधुनिक केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। श्री नड्डा ने एम्स परिसर में इस अवसर पर मल्टीयूटिलिटी (गैस्ट्रोनॉमी) ब्लॉक की आधारशिला भी रखी।उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला सुविधा का उद्देश्य अत्याधुनिक चिकित्सा अनुसंधान को आगे बढ़ाना और नवाचार को बढ़ावा

देना है। यह सुविधा डॉक्टरों, शोधकर्ताओं और विद्वानों को प्रभावशाली स्वास्थ्य सेवा समाधान विकसित करने और एम्स भुवनेश्वर को देश के प्रमुख चिकित्सा अनुसंधान केंद्रों की श्रेणी में लाने के लिए सशक्त बनाने के लिए है। केंद्रीय मंत्री ने एम्स भुवनेश्वर की नयी वेबसाइट जारी की, जो रोगियों और आगंतुकों के लिए उपयोगकर्ता-अनुकूल सुविधाओं और एकीकृत सेवाओं से सुसज्जित है। उन्होंने ईएचएस क्लिनिक और अमृत फार्मेसी का भी उद्घाटन किया, जिससे सभी के लिए आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं और सस्ती दवाओं तक अधिक पहुंच सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में एम्स भुवनेश्वर में एक स्किन बैंक भी स्थापित किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने बर्न सेंटर का दौरा किया जो पूर्वी भारत में अपनी तरह की एक अनूठी सुविधा है।

तहव्वुर के प्रत्यर्पण का श्रेय लेने वाले क्या दाऊद को नहीं ला पाने का भी जिम्मा लेंगेः कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण का श्रेय लेने की होड़ में शामिल लोगों को यह भी बताना चाहिए कि दाऊद इब्राहिम तथा अन्य आतंकवादियों का प्रत्यर्पण नहीं हो पाने का जिम्मेदार कौन है। पार्टी ने कहा कि भले ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार को तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण का श्रेय दिया जा रहा है और श्रेय लेने की होड़ मची है, लेकिन सच यह है कि यह लंबी प्रक्रिया का हिस्सा है और इसकी शुरुआत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार ने शुरू ही नहीं की बल्कि इसमें तेजी भी ला दी थी, लेकिन अब श्री मोदी को इसका श्रेय देने वालों को यह भी बताना चाहिए कि दाऊद इब्राहिम, डेविड हेडली, विजय माल्या आदि का प्रत्यर्पण नहीं हो पाने की जिम्मेदारी किसे दी जानी चाहिए। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यहां एक बयान में कहा, आज एक होड़ मची है कि किसी भी तरीक़े से तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण का श्रेय नरेन्द्र मोदी और सिर्फ़ नरेन्द्र मोदी को मिले।

ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल को तुष्टीकरण की प्रयोगशाला के रूप में इस्तेमाल कर रही हैं : भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में हो रही हिंसा को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए ममता बनर्जी पर तुष्टीकरण का आरोप लगाया है। ममता बनर्जी बंगाल को तुष्टीकरण की प्रयोगशाला के रूप में इस्तेमाल कर रही हैं। उन्होंने हिन्दुओं पर हो रहे हमले और हिंसा के लिए ममता को जिम्मेदार बताया है। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि बंगाल के अंदर जो हिन्दुओं पर हमले हो रहे है, उस हिंसा को ममता बनर्जी उकसा रही हैं और समर्थन कर रही हैं।वक्फ संशोधन बिल को जब संसद ने पारित किया तो देश में एक खुशी की लहर है, लेकिन बंगाल में स्वामी विवेकानंद, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, रविंद्रनाथ टैगोर की धरती को आज ममता बनर्जी ने एक तुष्टीकरण की प्रयोगशाला बना दिया है। एक तरफ पुलिस एसएससी घोटाले में ममता बनर्जी के सामने आने के बाद प्रदर्शनकारी शिक्षकों पर लाठीचार्ज हो रहा है। दूसरी तरफ जब कट्टरपंथी भीड़ हिंदुओं पर हमला करती है तो पुलिस चुप रहती है। यहां तक कि जब उन पर पत्थर फेंके जाते हैं तो भी वे जवाब नहीं देते क्योंकि ममता बनर्जी ने उन्हें हिंसा जारी रखने का निर्देश दिया है। भाजपा मुख्यालय में आज आयोजित प्रेसवार्ता में प्रदीप

भंडारी ने कहा कि 5 अप्रैल के बाद ममता बनर्जी ने सार्वजनिक तौर पर बयान दिया है कि वे वक्फ संशोधन बिल का विरोध करेंगी। इसके बाद उनके करीबी सहयोगी और मंत्री सिद्दीकुल्लाह चौधरी ने सार्वजनिक तौर पर तनाव भड़काया और खुलेआम दावा किया कि उन्हें ममता बनर्जी का समर्थन प्राप्त है। इससे कट्टरपंथी तत्वों को साफ संदेश गया कि उन्हें खुद मुख्यमंत्री का समर्थन प्राप्त है। भंडारी ने कहा कि ममता बनर्जी हिंसा का समर्थन, उकसावा और प्रोत्साहन कर रही हैं, यही वजह है कि पुलिस ने कोई सख्त कार्रवाई नहीं की है। अतीत में, टीएमसी के मंत्रियों ने हिंदुओं को भागीरथी नदी में फेंकने की धमकी दी है या कोलकाता को मुस्लिम बहुल शहर बनाने का दावा करते हुए बयान दिए हैं। जब हिंदुओं पर हमला किया जाता है, तो ममता बनर्जी चुप रहती हैं।जबकि कानून और व्यवस्था राज्य का विषय है, इसलिए वे इस हिंसा के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं। उन्हें कट्टरपंथी भीड़ के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। ममता बनर्जी से सवाल पूछते हुए भंडारी ने कहा कि क्या बंगाल में हिंदुओं की शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करना आपकी जिम्मेदारी नहीं है? ममता बनर्जी को याद रखना चाहिए कि उनके शासन में बंगाल में हिंदुओं को सरस्वती पूजा मनाने के लिए कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाना पड़ता है, रामनवमी के जुलूस निकालने के लिए भी कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाना पड़ता है, यहाँ तक कि दुर्गा पूजा पंडालों पर भी हमले होते हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट पर 350 से ज्यादा उड़ानों में देरी, घंटों परेशान हुए यात्री

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईजीआई) पर हवाई यातायात की भीड़ के कारण 350 से अधिक उड़ानों की आवाजाही में देरी हुई। इसकी वजह से सैकड़ों यात्री घंटों तक फंसे रहे, जिन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर की। दिल्ली हवाई अड्डे पर प्रतीक्षा कर रहे यात्रियों ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें और वीडियो साझा किए हैं। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड' (डायल) ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि दिल्ली एयरपोर्ट पर उड़ान संचालन में सुधार हो रहा है। हालांकि, मौसम की स्थिति के कारण कुछ उड़ानें अभी भी प्रभावित हैं। हमारी ऑन-ग्राउंड टीमें और सभी हितधारक यात्रियों को होने वाली किसी भी असुविधा को कम करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। ऑथिरिटी ने जारी एडवाइजरी में कहा कि कृपया नवीनतम अपडेट के लिए हमारी वेबसाइट और संबंधित एयरलाइंस की वेबसाइटों पर उड़ान की स्थिति की जांच करें। इस बीच 'फ्लाइटरडार24डॉट कॉम' पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक 350

से अधिक उड़ानों की आवाजाही में देरी हुई है, जबकि उड़ान प्रस्थान में औसत देरी 40 मिनट से अधिक थी। प्रतिकूल मौसम के कारण शुक्रवार शाम इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईजीआई) पर परिचालन बाधित हो गया। इसके प्रभाव से भी उड़ानों की आवाजाही प्रभावित हुई है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अभी केवल तीन रनवे चालू हैं, क्योंकि एक रनवे रखरखाव कार्यों के लिए फिलहाल बंद है।

चुनाव आयोग हमेशा मतदाताओं के साथ खड़ा था, है और सदैव खड़ा रहेगाः ज्ञानेश कुमार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा है कि झारखंड की इस महान धरती पर मुझे सभी से मिलने और उनका अभिवादन करने का अवसर मिला है। मैंने वालेंटियरस से बातचीत की, जिसके दौरान मुझे एहसास हुआ कि झारखंड में लोकतंत्र की जड़ें बहुत मजबूत हैं। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक नागरिक को निर्वाचक बनना चाहिए। चुनाव आयोग हमेशा मतदाताओं के साथ खड़ा था, है और सदैव खड़ा रहेगा।

श्री कुमार आज झारखंड के रामगढ़ के सीसीएल गेस्ट हाउस स्थित सभागार में वालेंटियर के साथ एक्सपेरिएंस शेयर कार्यक्रम के उपरांत मीडिया के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री कुमार ने कहा कि हर मतदान केंद्र पर एक बूथ लेवल अधिकारी नियुक्त किया जाता है और हर बूथ पर हर राजनीतिक दल को बूथ लेवल एजेंट नामित करने का अधिकार होता है। हर नागरिक एक निर्वाचक के रूप में सभी सुविधा अपने बूथ पर प्राप्त कर सकते है। अगर किसी व्यक्ति को निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के निर्णय पर आपत्ती है तो वह जिला निर्वाचन पदाधिकारी/डीईओ के

समक्ष अपील कर सकता है, साथ ही जिला निर्वाचन पदाधिकारी/डीईओ के निर्णय के विरुद्ध मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के समक्ष अपील दायर की जा सकती है। झारखंड में किसी भी जिला निर्वाचन पदाधिकारी/डीईओ या सीईओ कार्यालय के समक्ष कोई भी अपील लंबित नहीं है, जिसका मतलब है कि झारखंड में मतदाता सूची मतदाताओं एवं अन्य सभी सत प्रतिशत संतुष्टि के करीब है, इसके लिए झारखंड की निर्वाचन टीम सराहना की पात्र है।

इस अवसर पर श्री कुमार ने बताया कि मैं झारखंड में दो दिनों के लिए हूं इस बीच मैं कुछ कठिन स्थानों पर भी जाऊंगा। इससे पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ने विगत के चुनावों में भाग लेने वाले वालेंटियर से एक्सपीरियंस शेयर कार्यक्रम को संबोधित किया एवं उनके द्वारा किए गए कार्यों को सराहा। इस एक्सपीरियंस शेयरिंग कार्यक्रम के स्वागत संबोधन में झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने वालेंटियरस को संबोधित करते हुए कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के सर्वोच्च पद पर आसीन मुख्य चुनाव आयुक्त आज हम सब के बीच उपस्थित है एवं आप सभी के अनुभवों को साझा कर रहें है। आप सभी वालेंटियर से आग्रह है कि आपके मन में किसी भी प्रकार के प्रश्न है तो उसे बे-झिझक पूछें। क्षइस मौके पर रामगढ़ के उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी चंदन कुमार ने अपने संबोधन में यहां उपस्थित वालेंटियर के कार्यों को सराहा एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

यूथ कांग्रेस ने पेट्रो पदार्थों की मूल्य वृद्धि के खिलाफ किया प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) ने आज राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब के नेतृत्व में यहां रायसीना रोड स्थित संगठन मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार द्वारा बढ़ाए गए पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों का विरोध किया और इसके लिए सरकार की तीखी आलोचना की। इस अवसर पर उदय भानु चिब ने कहा कि देश में अभी 100 करोड़ लोग आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि हालात और बदतर होने वाले हैं। उन्होंने कहा कि 2014 के मुक़ाबले अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की क़ीमत में 41त्न की गिरावट आई है।

इसके बावजूद सरकार ने पेट्रोल-डीज़ल के दाम कम करने की बजाय दो-दो रुपये सेंट्रल एक्साइज ड्यटी बढ़ा दी है। यह महंगाई से तड़पती जनता के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है। उन्होंने कहा कि इस महंगाई का चाबुक ÷उज्जवला÷ की ग़रीब महिलाओं की बचत पर भी चल गया, क्योंकि केंद्र सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर के दाम सीधे 50 रुपये बढ़ा दिए हैं। यह जनता को महंगाई का तगड़ा झटका है। दिल्ली युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा ने कहा कि पूरे देश में उदासी का माहौल है और अंधेरा छाया हुआ है। स्टॉक मार्केट, महंगाई, बेरोजगारी के हालात देखिए, देश की अर्थव्यवस्था संभल नहीं रही है। लाकड़ा ने मांग की कि केंद्र सरकार जल्द से जल्द पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ी हुई कीमतों को वापस ले और महंगाई से त्रस्त जनता को राहत दे अन्यथा युवा कांग्रेस इस प्रकार से ही सड़क से लेकर संसद तक अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखेगी।

संपादक की कलम से

एआइ की मदद से लिखे जा रहे हैं प्रेम पत्र

इन दिनों चारों तरफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता का बोलबाला है. इसे संक्षेप में एआइ कहा जाता है और अपने इसी नाम से यह अधिकांश लोगों के बीच जाना जाता है. बहुत से लोग कह रहे हैं कि इससे दुनिया की तसवीर बदल जायेगी. इसके साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि 2030 तक यह तकनीक मनुष्य के दिमाग की बराबरी कर लेगी और एक तरह से सभ्यता का अंत नजदीक है. क्या होगा, यह तो समय ही बतायेगा. अमेरिका में जब चैट जीपीटी से एक किशोर ने बार-बार सवाल पूछे, तो उसने नाराज होकर कहा कि तुम्हें कुछ नहीं आता है. बेहतर है कि तुम मर जाओ. जब इसकी शिकायत की गयी, तो चैट जीपीटी के कर्ता-धताओं ने माफी मांग ली. आप सोचिए भला, कि क्या कोई अध्यापक अपने छात्र से ऐसी बात कह सकता है. यदि वह ऐसा कहेगा, तो उसका क्या होगा. इसी तरह अभी एक व्यक्ति ने एआइ कोड असिस्टेंट से जब कई प्रश्न पूछे, तो उसे असिस्टेंट से डांट पड़ी कि अपना काम खुद करना सीखो. असिस्टेंट ने यह भी कहा कि मैं तुम्हारे लिए कोड नहीं लिख सकता. क्योंकि इस तरह तो मैं तुम्हारा काम कर दूंगा. फिर तुम क्या करोगे. उस व्यक्ति ने असिस्टेंट से जुड़े फोरम पर शिकायत दर्ज करायी और कहा कि समझ में नहीं आ रहा कि यह एआइ असिस्टेंट आखिर है किसलिए. मैंने एक घंटे की कोडिंग की थी और इसने किसी भी तरह की सहायता करने से मना कर दिया.

चैट जीपीटी से तो लोग आजकल कालेजों का टाइम टेबल भी बनाने लगे हैं. पढ़ाने की तैयारी भी करते हैं. जो समझ में नहीं आता, उसे चैट जीपीटी से पूछ लेते हैं. कई बार यह भी वैसी ही गलतियां करता है, जैसा कि गूगल मैप. हालांकि बहुत से युवाओं का मानना है कि एआइ उनकी बहुत सहायता भी करता रहा है. खास तौर से संदेश लिखने में. पर कभी-कभी इसका उल्टा भी हो जाता है. एक लड़की ने कहा कि उसके मित्र ने डेटिंग एप पर उसे एक ऐसा संदेश भेजा जिसमें बहुत अच्छी बातें लिखी थीं. यहां तक कि भाषा से संबंधित कोई गलती भी नहीं की थी उसने. बल्कि दिन पर दिन उसके संदेश बहुत अच्छे होते चले गये. उनमें उसकी केयर और प्यार की भावना छिपी हुई थी. मैं उसकी मानवीयता से बहुत प्रभावित हुई. वह बार-बार मिलने की जिद कर रहा था. मैं भी उससे मिलना चाहती थी. पर जब मैं मिलने गयी, तो उसके व्यवहार को बहुत अलग पाया. उसकी बातचीत की भाषा भी वैसी नहीं थी जैसा वह लिखता था. मुझे लगता है, उसने जरूर उन संदेशों को लिखने में एआइ की मदद ली होगी. वह वास्तव में वैसा था ही नहीं जैसा मैंने उन संदेशों को पढ़कर उसे समझा था. एक और लड़के ने बताया था कि एक बार वह अपनी पार्टनर से एक मुश्किल बात कर रहा था. इसमें एआइ ने उसकी मदद की कि ठीक से संदेश कैसे लिखें. एक लड़की ने कहा कि जब से मैंने एआइ की मदद से संदेश लिखना शुरू किया है, उनमें कोई गलती नहीं होती.

आजकल लोग प्रेम करने के लिए मशीन से मदद ले रहे हैं, यानी कि उनके पास अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए जो भाषा होनी चाहिए, जो भावनाएं होनी चाहिए, वह कहीं गायब हो गयी हैं. कुछ दिन पहले खबर आयी थी कि लड़के-लड़कियां डेटिंग पर जब जाएं, तो क्या-क्या बातें करें, कैसे समझें कि जिससे मिल रहे हैं वह उनसे प्रभावित है कि नहीं और उसे प्रभावित कैसे करें, इसके लिए बाकायदा कक्षाओं में जा रहे हैं और भारी-भरकम फीस चुका रहे हैं. एक समय में प्रेम पत्रों का बहुत महत्व रहा है. जिससे प्रेम किया, उससे विवाह न भी हो सका तो भी उन पत्रों को बहुत से लोग जीवनभर संभालकर रखते थे. हिंदी फिल्मों ने भी प्रेम के महत्व को बहुत बढ़ाया था. मगर अब मेल, व्हाटसएप, इंस्टा आदि के जमाने में चिट्ठियों का ही समय खत्म हो गया, तो पत्र आयें कहां से. पर एक चीज कहीं खत्म होती है, तो किसी दूसरी तरह से शुरू हो जाती है. कुछ वर्ष पहले इटली के बारे में पढ़ा था कि वहां प्रेम पत्र लिखना सिखाने के लिए एक स्कूल खोला गया है. आश्चर्य होता है कि पुराने जमाने में जब न प्रेम पत्र लिखना सिखाने के लिए कोई स्कूल था, न एआइ ही थी, तब लोग कैसे प्रेम पत्र लिखते थे. किस तरह से उन्हें तरह-तरह के इत्रों और खुशबू से सराबोर करते थे. यहां तक कि किसी लड़की को प्रेम पत्र पहुंचाने के लिए उसकी सबसे अच्छी सहेली को अपनी बहन बना लेते थे और लड़कियां लड़के के दोस्त को भाई.

प्रेम में जो कोमलता होती है, चाहत होती है, एक-दूसरे की हर तरह से मदद करने की इच्छा होती है, जब तक वह नहीं है, तब तक कोई मशीन या कोई अध्यापक उसे समझा भी नहीं सकता. हमारे मध्यवर्गीय युवाओं की यह मुसीबत भी है कि अरसे से वे कहते रहे हैं कि ह्यकरियर के आगे नो टाइम फॉर रिलेशनशिप्स.ह्ल इसलिए वह भाषा भी गायब हो गयी है, जिससे प्रेम की मासूमियत की अभिव्यक्ति होती थी. बहुत से एआइ विशेषज्ञ कह रहे हैं कि भावनात्मक रिश्तों में इसका अधिक इस्तेमाल अच्छा नहीं है. न ही यह उन भावनाओं को सही तरह से व्यक्त कर सकता है जो आपके मन में किसी के लिए होती हैं.

टैरिफ युद्ध ट्रम्प की नीयत में खोट

–जगदीश रत्तनानी

ट्रम्प ने 3 अप्रैल को जो टैरिफ युद्ध छेड़ा है उसके माध्यम से अमेरिका वैश्विक व्यवस्था से बाहर निकल रहा है जिसे अब वह 'पागलपन' के रूप में देखता है। भले ही यह वही प्रणाली है जिसे अमेरिका ने बनाया और चलाया क्योंकि इसने वैश्वीकरण के आख्यान को तत्कालीन नए विकास मंत्र के रूप में देखा और आगे बढ़ाया था। ट्रम्प ने अब काल्पनिक रूप से गणना की गई संख्याओं का एक नया सेट रखा है जो निश्चित रूप से तनाव बढ़ाएगा।

कुछ लोगों का मानना है कि आज हम जिस बदसूरत अमेरिका को देख रहे हैं, वह बदलाव का एक चरण है जिसके कारण दुनिया कठिन दौर में आ गई है क्योंकि अमेरिका ने खराब सोच, अनैतिक और संदिग्ध व्यावसायिक कौशल वाले एक गलत नेता को चुना है। अमेरिकी नीति में बनावटी बदलावों को किसी व्यक्ति के नखरे या वास्तव में एक निक्सनियन 'मैडमैन थ्योरी' (मोटे तौर पर तर्कहीन रणनीति के रूप में) को देखने के लिए, अमेरिकी समाज में गहरी दरारों को याद करता है जो वैश्वीकरण की दीर्घकालीन मदहोशी से बढ़ते तनाव के साथ जुड़ा हुआ है।

वैश्वीकरण के कई अर्थ और परिभाषाएं हैं लेकिन पिछले चार दशकों या उसके आसपास के लेंस से देखा जाए तो यह थॉमस फ्रीडमैन की पुस्तक 'फ्लैट वर्ल्ड' की धारणाओं को एक वैश्वीकृत दुनिया के वादे के रूप में प्रस्तुत किया गया है जिसमें अमेरिका स्थित एकाउंटेंट जो एक रिमोट केंद्र से काम करने वाले भारतीय के हाथों वेतन में मामूली से अंतर के कारण अपनी नौकरी खो देता है। दिलचस्प बात यह है कि अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पिछले महीने एक टेक समिट में 2016 में सिलिकॉन वैली में एक मल्टीबिलियन-डॉलर टेक कंपनी के सीईओ के साथ हुई बातचीत का जिक्र करते हुए यही सवाल उठाया था। वेंस ने पूछा- 'आय में हो रही हानि को भूल जाओ लेकिन उद्देश्य की भावना के नुकसान की भरपाई कैसे होगी, गरिमा की हानि की भरपाई कैसी होगी?' फिर वेंस ने सीईओ से मिले जवाब को उद्धृत किया- 'डिजिटल, पूरी तरह से इमर्सिव गेमिंगज! वेंस ने कहा कि बैठक में उनके साथ उनकी पत्नी थीं उसने टिप्पणी की, 'हमें यहां से निकलना होगा। ये लोग पागल हैं।'

ट्रम्प ने 3 अप्रैल को जो टैरिफ युद्ध छेड़ा है उसके माध्यम से अमेरिका वैश्विक व्यवस्था से बाहर निकल रहा है जिसे अब वह 'पागलपन' के रूप में देखता है। भले ही यह वही प्रणाली है जिसे अमेरिका ने बनाया और चलाया क्योंकि इसने वैश्वीकरण के आख्यान को तत्कालीन नए विकास मंत्र के रूप में देखा और आगे बढ़ाया था। ट्रम्प ने अब काल्पनिक रूप से गणना की गई संख्याओं का एक नया सेट रखा है जो निश्चित रूप से तनाव बढ़ाएगा, वैश्विक व्यापार को मार देगा और विश्व व्यापार संगठन के अंत का संकेत देगा। दर्द का असर विश्वव्यापी होगा लेकिन इसकी जड़ें अमेरिका के बदलते सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में हैं। बंद हो रहे कारखानों, छंटनी के बार-बार आने वाले दौर, बढ़ती उपभोक्तावादी संस्कृति, आक्रामक, यहां तक कि अनुचित दखलदांजी करने वाली मार्केटिंग प्रणाली, ट्रेड यूनियनों और सामान्य रूप से श्रमिकों की आवाज का कमजोर होना तथा अमेरिका के कॉर्पोरेट क्षेत्र की भारी शक्ति ने एक साथ योगदान दिया है जिसकी वजह से एक ऐसी स्थिति बन गयी है जिसे अब वैश्वीकरण और उसके सहयोगी 'आउटसोर्सिंग बूम' की बीमारियों के लिए दोषी ठहराया जा रहा है। फिर भी ट्रम्पवाद यह नहीं देखेगा या नहीं देख सकता है कि वैश्वीकरण पूंजीवाद के विस्तार से अलग नहीं हुआ है और वास्तव में पूंजीवाद के विस्तार से ज्यादा कुछ नहीं है।

आखिरकार यह एक ऐसी प्रणाली है जो सबसे कम मजदूरी के लिए जानी जाती है और अधिकतम लाभ की प्राप्ति की नीति के अनुसार चलती है। भले ही यह श्रमिकों के जीवन की कीमत पर हो। उदाहरण के लिए, चीन में कई लोगों ने एप्पल के लिए चलाए जा रहे आई-फोन असेंबली प्लांट्स में मजदूरी पर काम करते हुए आत्महत्या कर ली है। उनके काम की जो परिस्थितियां हैं वे अमेरिका में अपराध हैं। उपरोक्त उदाहरण आईसबर्ग का दिखाई देने वाला ऊपरी सिरा है। ऐसी कई ज्यादातियां है जिनसे दुनिया अनजान है। उक्त उदाहरण मिल्टन फ्रीडमैन की सच्ची भावना को बताता है जिन्होंने 13 सितंबर, 1970 को लिखा था- 'एक व्यवसाय की सामाजिक जिम्मेदारी अपने मुनाफे को बढ़ाना हैज। वह बिना किसी जिम्मेदार व्यवहार के एक शेयरधारक मूल्य का पीछा करते हुए पूंजीवाद के विचार को वैध बनाकर व्यापार के लिए मुनाफे की दौड़ में शामिल होने के लिए स्वतंत्र है।

आज की पीड़ादायक प्रकृति पर विचार करें- क) 2019 में कॉर्पोरेट अमेरिका ने औपचारिक रूप से फ्रीडमैन सिद्धांत को खारिज कर दिया (2019 बिजनेस राउंडटेबल में 181 शीर्ष वैश्विक सीईओ ने शेयरधारक प्रधानता को खारिज करते हुए व्यापार निगम के एक नए उद्देश्य पर हस्ताक्षर किए), ख) डीईआई सिद्धांतों (विविधता, इक्विटी, समावेशिता) और ग) पृथ्वी और पृथ्वीवासियों ('पृथ्वी - पृथ्वीवासी- लाभ' का दिखावा) के लिए खड़े होने की मांग की लेकिन ड) वह विश्व के दूरदराज हिस्सों से अनुबंधों के साथ श्रम लागत को कम करने के पक्ष में खड़ा होगा, जो वैश्वीकरण है और प्रभावी रूप से फ्रीडमैन के सिद्धांत के अनुसार- काम पर अधिकतम मुनाफा कमाना उद्देश्य है। ऐसा लग रहा था कि फ्रीडमैन मारा गया लेकिन फ्रीडमैन का सिद्धांत फल-फूल रहा है!

यह मैश अप पूरा हो गया है जब ट्रम्प, व्यवसायों को अ) डीईआई को अस्वीकार करने के लिए कहता है, आ) डंप स्थिरता और इ) करों को तेज गति से कम कर मुनाफे का जश्न मनाते हैं लेकिन ई) अमेरिका को महान बनाने के मिशन पर काम करता है जो फ्रीडमैन मुनाफे पर दिशाहीन फोकस से बहुत अलग है। यह एक प्रकार से फ्रीडमैन की भौंडी नकल है जो न यहां की है और न ही वहां की है। इसके विचार सीमा पर ही खंडित हो जाते हैं, सत्ता केंद्रीकृत और शक्तिशाली होती है जबकि राज्य को प्रभावी ढंग से भंग किया जा रहा है। असहमति जाहिर करने वाली आवाजों को खामोश कर दिया जाता है। चुप रहने वालों में ऐसे व्यवसाय शामिल हैं जो आसानी से (और शायद खुशी से) डीईआई को बाहर फेंकने के लिए राजी हैं। आज अमेरिका में छात्र आंदोलन और अन्य राजनीतिक ताकतें चुप हैं, उन्हें विरोध में खड़े होना मुश्किल लगता है।

फ्रीडमैनाइट विचार के लिए सरकार के नेतृत्व में ऊपर से नीचे तक का नियंत्रण घिनौना है। इनमें से कुछ बिन्दु पतन के लिए तैयार इस प्रणाली की संरचनात्मक विसंगतियों की ओर इशारा करते हैं जो सही समय या परिस्थितियों की प्रतीक्षा कर रहे हैं। तर्क दिया जा सकता है कि पूंजीवाद ने अपना रास्ता खो दिया है और यह उसी देश में है जो पूंजीवाद का सबसे बड़ा समर्थक है। ट्रम्प की क्रूर चालें इसे पतन से बचाने की बड़ी लड़ाई हैं चाहे इसके लिए कोई भी कीमत चुकानी पड़े।

आज मूल्यों की ऐसी सभी बातें हट गई हैं और वास्तव में अमेरिका नग्न खड़ा दिखाई देता है। यह नई विश्व व्यवस्था नहीं है जिसकी परिकल्पना विश्व व्यापार संगठन के गठन के समय की गई थी। आरएसएस की आर्थिक शाखा स्वदेशी जागरण मंच के अश्विनी महाजन का यह कहना सही है कि विश्व व्यापार संगठन की पूरी तरह से अवहेलना की जा रही है और इसकी समाप्ति के साथ भारत को ट्रिप्स या बौद्धिक संपदा अधिकार समझौते के व्यापार संबंधी पहलुओं से मुक्त होना चाहिए। बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार संबंधी पहलू विश्व व्यापार संगठन की उपज है। महाजन के अनुसार रॉयल्टी की समाप्ति के मामले में ट्रिप्स ने भारत को भारी नुकसान पहुंचाया था। रायल्टी भुगतान 17 अरब अमरीकी डालर से अधिक हो गया है।

अबॉर्शन के बाद फिर कर रहे हैं बच्चा प्लान तो इन बातों का रखें ध्यान

अगर आपका गर्भपात हुआ है और आप फिर से बच्चे के लिए प्लानिंग कर रही हैं तो कुछ बातों का आपको ध्यान रखना चाहिए. गर्भपात के बाद शारीरिक स्थिति ऐसी नहीं होती है कि तुरंत गर्भधारण किया जा सके. इसके अलावा यह भी निर्भर करता है कि गर्भपात कौन से महीने में किस प्रकार से हुआ है. गर्भपात के कई कारण हो सकते हैं. दोबारा गर्भधारण के लिए कुछ खास बातों का ध्यान रखना जरूरी है. एक्सपर्ट बता रहे हैं कि आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए.

गर्भपात के बाद शरीर को पूरी तरह से उबरने में समय लगता है. यह इस बात पर निर्भर करता है कि गर्भपात किस महीने में किस प्रकार से हुआ. गर्भधारण जितना लंबा होता है, गर्भपात के बाद उससे उबरने में उतना ही ज्यादा समय भी लगता है. कई बार तो गर्भपात के बाद ब्लीडिंग भी होती रहती है. जिससे इंफेक्शन का खतरा रहता है. इसके अलावा दोबारा गर्भधारण करना इस बात पर भी निर्भर करता है कि महिला का मानसिकऔर शारीरिक स्वास्थ्य कैसा है. गर्भपात से पूरी तरह से उबरने के बाद ही दोबारा से गर्भधारण के लिए प्रयास करना चाहिए. यदि उबरने से पहले फिर से गर्भधारण हो जाता है तो इसमें जच्चा और बच्चा दोनों को खतरा रहता है.

कितने दिन बाद दोबारा करें गर्भधारण

डॉक्टर कहते हैं कि गर्भपात से उबरने के तुरंत बाद भी गर्भधारण किया जा सकता है. हालांकि इसमें रिस्क रहता है. गर्भपात के तीन महीने बाद दोबारा से गर्भधारण करने की सलाह डॉक्टर देते हैं. डॉक्टर कहते हैं कि गर्भपात के बाद महिला का शरीर एक सप्ताह बाद ही ओव्यूलेट करने के लिए तैयार हो जाता है. यदि इस दौरान गर्भधारण हो जाता है तो महिला के लिए खतरनाक हो सकता है. तीन महीने में महिला मानसिकऔर शारीरिक रूप से गर्भधारण करने के लिए पूरी तरह से तैयार होती है. इसलिए गर्भपात के तीन महीने बाद ही गर्भधारण करने की सलाह दी जाती है. गर्भपात के बाद मानसिक और शारीरिक परेशानी का सामना करना पड़ता है. दोबारा गर्भधारण करने के लिए आपको कुछ सावधानी बरतने की जरूरत होती है

अच्छी सेहत के लिए पौष्टिक अनाज जरूरी

– बाबा मायाराम

जन स्वास्थ्य सहयोग के डॉक्टरों का मानना है कि बीमारी का संबंध कुपोषण से है। खाने की कमी से है। एक व्यक्ति के स्वास्थ्य और विकास के लिए संतुलित भोजन बहुत जरूरी है। पोषण का संबंध खेती से है। इसलिए स्वास्थ्य की स्थिति सुधारने के लिए कृषि कार्यक्रम चला रहे हैं। छत्तीसगढ़ के एक छोटे कस्बे गनियारी में कांग, कोसरा, कुटकी और मड़िया की फसलें हवा में लहलहा रही हैं। कांग के हरे पौधे में सुनहरी लम्बी बालियां मोह रही हैं। कोसरा में मोतियों की तरह दाने हैं। मड़िया की बालियां किसी गुड़िया की चोटियों की तरह खड़ी हैं। लेकिन यह बारिश की फसल नहीं, गर्मी की फसल है। आज इस कॉलम में पौष्टिक अनाजों की चर्चा करें, जो पूरी तरह जैविक हैं, और सेहत के लिए भी अच्छे हैं।

हाल ही मैं यहां अप्रैल के पहले हफ्ते में गया था। यह जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था का खेत था। खेत में लहलहाती फसल को बहुत देर तक देखते ही रहा। हरे-भरे खेत थे और बालियां दानों से भरी थीं। जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था वैसे तो स्वास्थ्य पर काम करती है, लेकिन सिर्फ इलाज ही नहीं, रोगों की रोकथाम पर ध्यान देती है।

इस संस्था में प्रायः जाता रहता हूं। एक तो यहां कम कीमत में अच्छा इलाज होता है, दूसरा यहां स्वास्थ्य को समग्रता से देखा जाता है। संस्था ने कृषि कार्यक्रम, पशु स्वास्थ्य कार्यक्रम संचालित किया है। आयुर्वेद चिकित्सा से भी इलाज की व्यवस्था की है। यह सब मुझे प्रभावित करते हैं।

आगे बढ़ने से पहले संस्था के बारे संक्षिप्त में जानना उचित होगा। जन स्वास्थ्य सहयोग (जेएसएस) स्वास्थ्य पर काम करने वाली गैर सरकारी संस्था है,जो यहां वर्ष 1999 से कार्यरत है। स्वास्थ्य की मौजूदा हालत से चिंतित होकर दिल्ली के कुछ मेधावी डाक्टरों ने इसकी शुरूआत की थी। जन स्वास्थ्य सहयोग केन्द्र, बिलासपुर से 20 किलोमीटर दूर गनियारी में स्थित है।

संस्था के कार्यकर्ता बताते हैं कि ग्रीष्मकाल में पौष्टिक अनाज की खेती का प्रयोग साल 2014-15 से चल रहा है। यह पूरी तरह जैविक है, रासायनिक खादों का बिल्कुल भी इस्तेमाल नहीं किया जाता है। पहले इन अनाजों का थरहा डाला जाता है, उसके बाद रोपाई के बाद निंदाई-गुड़ाई की जाती है। और फसल पक जाती हैं।

बिलासपुर जिले का यह इलाका अचानकमार के जंगल से लगा है। अन्य जातियों के अलावा गोंड और बैगा आदिवासी यहां के बाशिन्दे हैं। बैगाओं की पहचान उनकी बेंवर खेती (झूम खेती और अंग्रेजी में इसे शिफ्टिंग कल्टीवेशन कहते हैं) से होती है, जिसमें वे कई तरह के अनाज एक साथ होते थे। इसमें अनाज के साथ दालें भी होती थीं। यह खेती संतुलित व पर्याप्त भोजन देने में सक्षम थी।

जन स्वास्थ्य सहयोग के डॉक्टरों का मानना है कि बीमारी का संबंध कुपोषण से है। खाने की कमी से है। एक व्यक्ति के स्वास्थ्य और विकास के लिए संतुलित भोजन बहुत जरूरी है। पोषण का संबंध खेती से है। इसलिए स्वास्थ्य की स्थिति सुधारने के लिए कृषि कार्यक्रम चला रहे हैं। इस कृषि कार्यक्रम के दो हिस्से हैं। एक तो जन स्वास्थ्य सहयोग की जमीन पर विविध देसी बीजों की फसलें उगाना, उनकी जानकारी एकत्र करना, उन्हें संरक्षित करना, देसी बीज और उनकी जानकारी किसानों तक पहुंचाना।

बदहाल हैं, यम की बहन यमुना

– वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

आम जन यमुना की पीड़ा व उसके दम तोड़ने को उसमें बहते कूड़े-कचरे, उठते झागों में ही नहीं देख सकता, बल्कि यमुनोत्री में धवलता, शुभ्रता की शुरूआत लिये यमुना को सहारनपुर जिले से इलाहाबाद तक की 1370 किमी की दूरी में पीली, काली, भूरी होते भी देख सकता है। प्रयागराज प्रवेश के पहले भी यमुना प्रदूषण-जनित धूसरित कालिमा लिये होती है।

प्रयागराज का महाकुभ हमें मौका दे रहा था कि पवित्र, पूज्य यमुना नदी को शुध्दजल से पोषित नदी बनाने पर वाक्युद्ध समाप्त कर कर्मयुद्ध का प्रारंभ होता। दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान यमुना प्रदूषण पर राजनैतिक बयानबाजियों की शुरूआत हुई थी। दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा 'छठ पूजा' पर रोक के आदेश और फिर 'यमुना को हरियाणा से जहरीली बनाकर भेजा जा रहा है' - जैसे आरोपों का द्वंद्व 'चुनाव आयोग' व न्यायालयों तक भी पहुंच गया था। चुनौतियां दिल्ली में 'यमुना जल पीकर दिखाने' तक पर आ गई थी। अंततः चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में दिल्ली पहुंचे उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज महाकुंभ का प्रसंग छेड़ दिया था। चुनौती भरे लहजे में उनका कहना था कि जैसे महाकुंभ में उन्होंने अपने मंत्रीमण्डलीय सहयोगियों के साथ संगम में डुबकी लगाई थी, क्या वैसे अरविंद केजरीवाल और दिल्ली राज्य की 'आप कैबिनेट' कर सकती है?

महाकुंभ तो समाप्त हो गया, लेकिन उत्तरप्रदेश सरकार भविष्य के लिये इस लक्ष्य को अपनी चुनौती बना सकती है कि यमुना को प्रयागराज पहुंचने के पहले पूरी तरह से प्रदूषण-मुक्त कर, उसमें यमुनोत्री से चले मूल जल की मात्रा बढ़ाकर, श्रद्धालुओं की डुबकी के लिये इंतजाम कर दिखायेंगे। जिस दिल्ली में यमुना के प्रदूषण पर मुख्यमंत्री योगी दिल्ली के चुनावी दंगल में चुनौती दे रहे थे, उस दिल्ली में यमुनोत्री से चला दस प्रतिशत भी जल उसमें नहीं रहता। नब्बे प्रतिशत से ज्यादा जल राह में निकाल लिया जाता है। इसलिये समझ लें कि यमुना, जो दिल्ली के आगे आगरा, मथुरा और संगम तक भरी-पूरी दिख रही है, उसका बहुत बड़ा अंश अनुपचारित-उपचारित सीवर जल का ही होगी।

आम जन यमुना की पीड़ा व उसके दम तोड़ने को उसमें बहते कूड़े-कचरे, उठते झागों में ही नहीं देख सकता, बल्कि यमुनोत्री में धवलता, शुभ्रता की शुरूआत लिये यमुना को सहारनपुर जिले से इलाहाबाद तक की 1370 किमी की दूरी में पीली, काली, भूरी होते भी देख सकता है। प्रयागराज प्रवेश के पहले भी यमुना प्रदूषण-जनित धूसरित कालिमा लिये होती है। वर्तमान में तो यमुना देश की सर्वाधिक प्रदूषित नदियों में से एक है। संवेदित जन, संवेदित संत, संवेदित राजनेता, संगम में डुबकी लगाने वाले करोड़ों आम लोग प्रदूषण-मुक्त या न्यूनतम प्रदूषण ढोती यमुना को संगम में पहुंचाने के लिये संकल्पित हो जाते तो दिल्ली में भी यमुना की दशा सुधरने में मदद मिल जाती।

'राष्ट्रीय हरित अधिकरण' के महाकुंभ में निर्देश के पीछे उसके तत्कालीन अध्यक्ष जस्टिस एके गोयल की यह तीखी टिप्पणी भी है कि जो अनजान, भोले श्रद्धालु बहुत आदर भाव से गंगाजल में नहाते हैं व उसे पीते हैं, वे इससे होने वाले स्वास्थ्य के खतरों से अनभिज्ञ होते हैं। अब आवश्यकता है कि धूम्रपान के खतरों से बचाने के लिए सिगरेट के पैकेटों पर छपी चेतावनियों की ही तरह गंगाजल के उपयोग के खतरों की चेतावनियां देकर आमजन के जीवन के अधिकार को सुरक्षित किया जाये। तब गंगा सफाई के राष्ट्रीय मिशन और 'केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड' को भी दो सप्ताहों के भीतर अपनी-अपनी वेबसाइटों पर प्रमुखता से यह दिखाने के लिए कहा गया था कि किन-किन स्थानों पर गंगाजल नहाने व पीने के लिए ठीक है, कहां नहीं।कुंभ समाप्ति के बाद भी नदी जल की शुद्धता सवालों के घेरे में रही है, किन्तु ऐसा भी नहीं है कि नदियों, सरोवरों के प्रदूषित होने की चेतावनियों के बाद आस्थावान इनमें डुबकी न लगायें या आचमन करने का जोखिम न उठायें। खतरनाक प्रदूषित यमुना में डुबकी लगाने व आचमन करने का जोखिम श्रद्धालु निरंतर सालों से उठा रहे हैं। दिल्ली में ही 'छठ पूजा' में महिलायें यमुना के झाग में नहा रही थीं।

इसकी तस्वीरें दिखाकर दिल्ली के मुख्य सचिव को काफी कुछ सुनाया भी गया था। आस्था बहुत बड़ी बात है इसीलिये कहीं भी धार्मिक पर्वों व अनुष्ठानों में डुबकी लगाने की चुनौती देना बहुत अर्थ नहीं रखता है।

यमुना की राह में पड़ने वाले हर नगर की कहानी व समस्या एक जैसी है। 'सीवेज ट्रीटमेंट प्लान्ट' (एसटीपी) क्षमता भर काम नहीं करते हैं। नगरों, महानगरों, गांवों, कस्बों में जितना अपशिष्ट पैदा होता है वह सब 'एसटीपी' में नहीं पहुंचता। प्रयागराज में ही महाकुंभ के पहले 81 नालों से करीब 290 मिलियन लीटर अपशिष्ट प्रतिदिन बहता था, किन्तु इसका केवल 178 मिलियन लीटर प्रतिदिन दस 'एसटीपी' में जाता था। 81 में से 44 नाले गंगा में 74 मिलियन लीटर सीवरेज डाल रहे थे। यह यमुना की अस्मिता को चोट पहुंचाना ही हुआ।

गंगा, यमुना जैसी पवित्र नदियों से हमारा व्यवहार अमानवीय है, इसकी ही स्वीकारोक्ति नैनीताल हाईकोर्ट के 20 मार्च 2017 के एक ऐतिहासिक आदेश में की गई थी। अदालत ने कहा था कि गंगा, यमुना को जीवित मानकर उनके संरक्षण की जिम्मेदारी कतिपय अधिकारियों को दी जाय। हालांकि इस आदेश के विरूद्ध केन्द्र सरकार सर्वोच्च न्यायालय में गई और पहले तात्कालिक रूप से आदेश स्थगित किया गया व बाद में निरस्त कर दिया गया। प्रयागराज के पूर्णकुंभ में यमुनोत्री से शुरू हुई पावन यमुना के कष्टों को कम करने का ईमानदार संकल्प संगम तट पर पहुंचा हर श्रद्धालु ले लेता तो यमुना का रूग्ण, मृतप्राय होना कुछ कम होता। कई मुख्यमंत्री, राज्यपाल, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, रक्षामंत्री व राष्ट्रपति महाकुंभ में डुबकी लगाने पहुंचे थे।

न्यूयार्क में प्लेन क्रेश, एक की मौत

एजेंसी

न्यूयार्क। अमेरिका के न्यूयार्क में एक प्लेन क्रैश होने खबर आ रही है। इस प्लेन में दो लोग सवार थे, इनमें से एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसा कोलंबिया काउंटी के कोपेक इलाके के पास हुआ। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) के प्रवक्ता के मुताबिक विमान कोलंबिया काउंटी एयरपोर्ट की तरफ जा रहा था। लेकिन जैसे ही वह एयरपोर्ट से करीब कुछ ही दूर रहा होगा, तभी हादसा हो गया। विमान कीचड़ भरे खेत में जा गिरा। बताया जाता है कि विमान का हादसा शाम को हुआ, लेकिन जानकारी काफी देर बाद लगी। नेशनल टांसपोर्टेशन सुरक्षा बोर्ड हादसे की जांच के लिए टीम मौके पर भेजी है। लेकिन खराब मौसम और बर्फ के कारण बचाव टीम को मौके पर पहुंचने में काफी दिक्कत आ रही हैं।

ईरान ने न्यूक्लियर प्रोग्राम नहीं छोड़ा तो भुगतना होंगे परिणामः ट्रम्प

वाशिंगटन। न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर अमेरिका और ईरान में एक बार फिर तनातनी की नौबत आ सकती है। डोनाल्ड ट्रम्प की सरकार ने ईरान को साफ तौर पर चेताया है कि यदि उसने न्यूक्लियर प्रोग्राम नहीं छोड़ा तो परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।अमेरिकी राष्ट्रपति की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट का कहना हैं कि अमेरिका की प्राथमिकता है कि ईरान कभी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर सके। डोनाल्ड ट्रम्प कूटनीति से हल निकालने का समर्थन करते हैं। लेकिन कूटनीति विफल होती है तो दूसरे कदम उठाए जा सकते हैं। प्रेस सचिव ने संकेत दिए कि यदि ईरान ने न्यूक्लियर कार्यक्रम को लेकर अपना इरादा नहीं बदला तो फिर बेहतर परिणाम नहीं उम्मीद नहीं की सकती।

अमेरिकी सेना ने यमन पर किये नए हवाई हमले

सना। अमेरिकी सेना ने रात उत्तरी यमन में कई स्थानों को निशाना बनाते हुए 10 हवाई हमले किए। हूती द्वारा संचालित अल-मसीरा टीवी की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी। रिपोर्ट के अनुसार हमले उत्तरी सादा प्रांत के अल-सलेम जिले, पश्चिमी होदेइदा प्रांत के अल-मुनीरा जिले और मध्य अल-बायदा प्रांत के अल-सौमाह जिले के व्यावसायिक संस्थान पर हुए। अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने 'एक्स' पर कहा कि हूती के खिलाफ उसका अभियान जारी है। अमेरिका ने 15 मार्च को हूती बलों के खिलाफ अपना हवाई अभियान फिर से शुरू किया, जिसमें कहा गया कि हमलों का उद्देश्य समूह को लाल सागर में इजरायल और अमेरिकी नौसैनिक संपत्तियों के खिलाफ हमले शुरू करने से रोकना है। उत्तरी यमन के अधिकांश हिस्से पर नियंत्रण रखने वाले हूतियों ने कहा कि यदि इजरायल गाजा में अपना आक्रमण बंद कर दे और गाजा पट्टी में महत्वपूर्ण मानवीय सहायता पहुंचाने की अनुमति दे तो वे अपना अभियान रोक देंगे।

नाइजीरिया वीजा डिफॉल्टरों पर प्रतिदिन 15 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना लगाएगा

अबुजा। नाइजीरिया एक नई नीति लागू करेगा, जिसके तहत अगस्त से वीजा अवधि से अधिक समय तक रहने वाले यात्रियों पर प्रतिदिन 15 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना लगाया जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी नेयह जानकारी दी। गृह मंत्री ओलुबुनमी टुंजी-ओजो ने दक्षिण-पश्चिमी राज्य लागोस में मीडिया को बताया कि अगस्त में नाइजीरिया वीजा नीति 2025

के पूर्ण रूप से प्रभावी होने के बाद डिफॉल्टरों को देश में दोबारा प्रवेश करने पर पांच साल या उससे अधिक समय के लिए प्रतिबंध का सामना करना पड़ सकता है।टुंजी-ओजो ने कहा कि दंड आधिकारिक तौर पर मई में शुरू होंगे, लेकिन अगस्त तक तीन महीने की छूट अवधि होगी, जिसके दौरान वीजा अवधि से अधिक समय तक रहने वालों पर जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि नई दंड प्रणाली का लक्ष्य नाइजीरियाई वीजा के दुरुपयोग को रोकना है और जो यात्री तीन महीने से अधिक समय तक रुकेंगे, उन्हें पांच साल का प्रतिबंध झेलना पड़ेगा। जो लोग अपने वीजा की समाप्ति के बाद एक साल या उससे अधिक समय तक रुकेंगे, उन्हें 10 साल के लिए प्रतिबंधित किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि यह अनुपालन की गारंटी, जिम्मेदार प्रवास को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि नाइजीरिया आव्रजन सेवा को दंड लागू करने का अधिकार दिया गया है।

मिस्र और इंडोनेशिया के राष्ट्रपतियों के बीच हुई गाजा युद्ध पर चर्चा, संबंधों को मजबूत करने पर दिया जोर

एजेंसी

काहिरा। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सीसी ने काहिरा में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ बातचीत की। मिस्र के राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा कि उन्होंने गाजा पट्टी में विकास और दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने पर चर्चा की। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सीसी ने प्रबोवो को गाजा में युद्धविराम के लिए मिस्र की मध्यस्थता और वहां के लोगों को मानवीय सहायता देने के प्रयासों के बारे में बताया। मिस्र के राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने गाजा में लोगों को विस्थापित किए बिना पुनर्निर्माण शुरू करने और अंतरराष्ट्रीय नियमों के आधार पर स्थायी समाधान निकाले जाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्हें उम्मीद है कि ऐसा समाधान 1967 की सीमाओं पर एक स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना की गारंटी देगा,

जिसकी राजधानी पूर्वी यरुशलम होगी। उन्हें उम्मीद थी कि इस तरह के समाधान से 1967 की सीमाओं के साथ एक स्वतंत्र फ़िलिस्तीनी राष्ट्र बनेगा, और पूर्वी येरुशलम उसकी राजधानी होगी सीसी और प्रबोवो ने द्विपक्षीय संबंधों के बारे में भी बात की। बयान में कहा गया, दोनों राष्ट्रपतियों ने एक घोषणा पर हस्ताक्षर किए, जिससे आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया गया है। साथ ही अपने लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की गई है। मिस्र की सेंट्रल एजेंसी फॉर पब्लिक मोबिलाइजेशन एंड स्टैटिस्टिक्स के अनुसार, 2024 में मिस्र और इंडोनेशिया के बीच व्यापार 1.7 बिलियन डॉलर तक पहुंचा, जो 2023 में 1.6 बिलियन डॉलर था। मिस्र का इंडोनेशिया को निर्यात 151 मिलियन डॉलर रहा, जो 2023 में 137 मिलियन डॉलर था, जबकि इंडोनेशिया से आयात 1.6 बिलियन डॉलर हो गया, जो पिछले साल 1.5 बिलियन डॉलर था। इस बातचीत में क्षेत्रीय और वैश्विक चुनौतियों के मद्देनजर रक्षा सहयोग को बढ़ाने पर भी चर्चा हुई, जिसमें प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और विशेषज्ञता के आदान-प्रदान पर ध्यान दिया गया। उन्होंने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के बीच रक्षा सहयोग को बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा की।

अमेरिका-ईरान वार्ता का पहला दौर 'सकारात्मक' रहा : व्हाइट हाउस

एजेंसी

शिकागो। व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने ईरानी विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची से मुलाकात

की और 'बहुत सकारात्मक और रचनात्मक' चर्चा की। बयान में कहा गया कि विशेष दूत विटकॉफ ने डॉ. अराघची को बताया कि उन्हें राष्ट्रपति (डोनाल्ड) ट्रम्प से निर्देश मिले हैं कि यदि संभव हो तो बातचीत और कूटनीति के माध्यम से हमारे दोनों देशों के मतभेदों को सुलझाया जाए। ये मुद्दे बहुत जटिल हैं और विशेष दूत विटकॉफ का आज सीधा संवाद पारस्परिक रूप से लाभकारी परिणाम प्राप्त करने की दिशा में एक कदम आगे है। साथ ही कहा कि दोनों पक्ष अगले फिर से मिलने की योजना बना रहे हैं। शुरुआत में ईरानी मीडिया ने भी वार्ता को रचनात्मक बताया और अगले सप्ताह और अधिक चर्चाओं की योजना का खुलासा किया। यह बैठक पहली बार थी जब ट्रम्प के व्हाइट हाउस लौटने के बाद से अमेरिका और ईरान ने सीधे बातचीत की। ट्रम्प ने बार-बार कहा है कि ईरान को जल्दी से एक ऐसे समझौते पर पहुंचना चाहिए जो यह सुनिश्चित करे कि वह परमाणु हथियार हासिल नहीं कर सकता या उसे सैन्य हमलों की आशंका का सामना नहीं करना पड़ेगा।

टेक्सास बना छात्र वीजा रद्दीकरण का केंद्र, 122 से अधिक अंतरराष्ट्रीय छात्र प्रभावित

एजेंसी

टेक्सास। अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए टेक्सास एक नई चिंता का कारण बनता जा रहा है, जहां छात्र वीज़ा रद्द किए जाने की घटनाओं में अचानक तेजी आई है। स्टूडेंट एंड एक्सचेंज विजिटर इन्फॉर्मेशन सिस्टम (सेविस) के माध्यम से 122 से अधिक छात्रों की वीजा स्थिति समाप्त कर दी गई है, जिससे उनका कानूनी दर्जा खतरे में पड़ गया है। प्रभावित छात्रों में अधिकांश दक्षिण एशिया और मध्य पूर्व से हैं और अधिकांश मामले टेक्सास के प्रमुख विश्वविद्यालयों से जुड़े हैं। इनमें यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास (यूएनटी) से 27 छात्र, यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास, अर्लिंगटन से 27 छात्र, टेक्सास एएंडएम यूनिवर्सिटी के 23 छात्र, यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास, डलास के 19 छात्र, यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास रियो ग्रांडे वैली के 9 छात्र, यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास एल पासो के 10 छात्र, टेक्सास वीमेन यूनिवर्सिटी से 4 छात्र और टेक्सास टेक यूनिवर्सिटी के 3 छात्र शामिल हैं। टेक्सास विश्वविद्यालयों ने यह पुष्टि की है कि वे प्रभावित छात्रों के साथ लगातार संपर्क में हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास (यूएनटी) के एक फैकल्टी सदस्य ने बताया कि शुरू में 16 छात्रों की सेविस स्थिति समाप्त की गई थी, जो अब बढ़कर 27 हो चुकी है। इनमें से 19 छात्र स्नातकोत्तर स्तर के हैं। हाल ही में अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी विभाग ने घोषणा की है कि वह अंतरराष्ट्रीय छात्रों की सोशल मीडिया गतिविधियों की निगरानी करेगा, खासकर यहूदी विरोधी सामग्री की पहचान के लिए। यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उन दो कार्यकारी आदेशों के बाद उठाया गया है, जो कॉलेज परिसरों पर हुए प्रोपलिस्तीनी प्रदर्शनों के जवाब में आए हैं। डलास के आव्रजन वकील नायम सुखिया ने इस कदम की आलोचना करते हुए कहा, ÷सेविस से हटाना छात्रों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। इससे उन्हें बिना उचित प्रक्रिया के देश से बाहर करने की स्थिति बन जाती है।÷ उन्होंने कहा कि वीजा स्थिति समाप्त होने के बाद छात्रों के पास केवल दो विकल्प होते हैं, या तो वे देश छोड़ दें या फिर रि-इंसटेटमेंट (बहाली) की लंबी और जटिल प्रक्रिया अपनाएं। उन्होंने छात्रों से तुरंत अपने डिजिग्नेटेड स्कूल ऑफिशियल्स (डीएसओ) से संपर्क करने की सलाह दी है।

चीन से आयातित इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं पर शुल्क में छूट, उपभोक्ताओं को राहत

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका में उपभोक्ताओं और तकनीकी कंपनियों को बड़ी राहत देते हुए ट्रंप प्रशासन ने चीन से आयातित स्मार्टफोन, कंप्यूटर और अन्य प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं को प्रस्तावित शुल्क से बाहर रखने का निर्णय लिया है। इस फैसले से Apple, Samsung जैसी वैश्विक तकनीकी कंपनियों को बड़ा लाभ मिलने की संभावना है। ट्रंप प्रशासन द्वारा घोषित 125 प्रतिशत शुल्क और वैश्विक 10 प्रतिशत आधार शुल्क के दायरे से इन उत्पादों को बाहर रखा गया है। यूएस कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन द्वारा शुक्रवार देर रात जारी दिशा-निर्देशों में स्पष्ट किया गया कि किन वस्तुओं को इन शुल्कों से छूट दी गई है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, इस निर्णय का सबसे अधिक लाभ उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र को होगा। जिन उत्पादों को छूट दी गई है, उनमें स्मार्टफोन, लैपटॉप, प्रोसेसर, मेमोरी चिप्स और हार्ड ड्राइव्स शामिल हैं। ये सभी उत्पाद अमेरिका में बड़े पैमाने पर नहीं बनाए जाते और इनकी घरेलू

उत्पादन व्यवस्था स्थापित करना समय और निवेश की मांग करता है। यह कदम न केवल आर्थिक रणनीति का हिस्सा है, बल्कि इसका उद्देश्य महंगाई को नियंत्रित करना और आपूर्ति श्रृंखला में रुकावटों को कम करना भी है। प्रशासन का यह भी मानना है कि इससे व्यापार जगत और आम मतदाताओं दोनों में भरोसा बढ़ेगा। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव अपने चरम पर है। ऐसे में अगर शुल्क की यह छूट जारी रहती है, तो अमेरिकी बाजार में इलेक्ट्रॉनिक्स की कीमतों में स्थिरता बनी रह सकती है, जिससे उपभोक्ताओं को सीधी राहत मिलेगी।

हमास ने जारी किया इजरायली-अमेरिकी बंधक का वीडियो, सुरक्षा को लेकर जताई चिंता

एजेंसी

गाजा । हमास की सैन्य शाखा अल-कस्साम ब्रिगेड ने इजरायली-अमेरिकी बंधक एडन अलेक्जेंडर का एक वीडियो जारी किया है, जिसे 7 अक्टूबर, 2023 से गाजा पट्टी में बंधक बनाकर रखा गया है। जारी वीडियो में एडन शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान दिखाई दे रहा है। उसने कहा, मैं यहां क्यों हूं, अपने परिवार और दोस्तों के साथ घर पर क्यों नहीं हूं? समाचार एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार, एडन का जन्म इजरायल के तेल अवीव में हुआ था और वह अमेरिका के न्यू जर्सी में पला-बढ़ा है। साल 2022 में हाई स्कूल पास करने के बाद वह सेना में भर्ती होने के लिए इजरायल लौट आया था। 7 अक्टूबर, 2023 को फिलिस्तीनी उग्रवादियों ने दक्षिणी इजरायल पर हमले के दौरान उसे अगवा कर लिया था। हमास की ओर

से जारी किए गए वीडियो में एडन ने अपनी परेशानियों को बताया और गाजा में चल रही इजरायली सैन्य कार्रवाइयों के बीच अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने इजरायली सरकार पर उनकी रिहाई सुनिश्चित न करने का आरोप भी लगाया। वीडियो जारी होने के बाद इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि उन्होंने एडन अलेक्जेंडर के परिवार से बात की और आश्वासन दिया कि सभी बंधकों की रिहाई के लिए गहन प्रयास जारी हैं। बता दें कि इजरायल और हमास के बीच छह सप्ताह का पहला युद्धविराम 1 मार्च को खत्म हो गया और दूसरे चरण की बातचीत रुकी हुई है। उल्लेखनीय है कि 7 अक्टूबर, 2023 के हमले के दौरान बंधक बनाए गए 251 लोगों में से 59 अभी भी गाजा में कैद हैं। इजरायल का मानना है कि इनमें से 24 जिंदा हैं। 14 मार्च को हमास ने कहा कि उसने मध्यस्थों को एडन और चार अन्य बंधकों के शवों को रिहा करने की सहमति दी थी। इजरायली सेना ने 18 मार्च से गाजा में हवाई हमले फिर से शुरू किए हैं। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इन हमलों में अब तक 1,563 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 4,004 घायल हुए हैं।

कैमरून में संघर्ष में 9 अलगाववादी लड़ाके मारे गए

एजेंसी

याउंडे। युद्धग्रस्त कैमरून के अंग्रेजी भाषी क्षेत्र उत्तरपश्चिम में संघर्ष में कम से कम नौ अलगाववादी लड़ाके मारे गए हैं।स्थानीय सुरक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। अलगाववादी लड़ाकों ने क्षेत्र में एक सैन्य चौकी पर हमला करने का प्रयास किया, लेकिन सैनिकों ने हमला विफल कर दिया, जिसमें उनमें से चार मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। एक सैन्य अधिकारी ने शनिवार देर रात नाम न बताने की शर्त पर बताया कि सुरक्षा बलों ने क्षेत्र में अलगाववादी लड़ाकों के एक समूह पर घात लगाकर हमला किया, जिसमें उनमें से पांच मारे गए। अलगाववादी नेताओं ने सोशल मीडिया पर कहा कि सेना द्वारा मारे गए लोगों में एक कमांडर भी शामिल है और उन्होंने जवाबी कार्रवाई करने की कसम खाई। स्थानीय पुलिस की रिपोर्ट के अनुसार कैमरून की सेना जनवरी से ही क्षेत्र में अलगाववादियों के खिलाफ अपने हमले को तेज कर रही है और अधिकांश अलगाववादियों के ठिकानों पर छापे मारकर उन्हें नष्ट कर रही है।

वर्ष 2017 से सरकारी बल सशस्त्र अलगाववादी ताकतों के साथ संघर्ष कर रहे हैं, जो उत्तर-पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम के दो अंग्रेजी-भाषी क्षेत्रों को बहुसंख्यक फ्रेंच-भाषी राष्ट्र से अलग करके एक नया देश बनाने के लिए लड़ रहे हैं, जिसे वे अंबाजोनिया कहते हैं।

बीबीआईएन मोटर वाहन समझौता प्रोटोकॉल तैयार

एजेंसी

काठमांडू। बांग्लादेश, भूटान, भारत और नेपाल (बीबीआईएन) के बीच यात्री, व्यक्तिगत और कार्गो वाहनों के यातायात के आवागमन के लिए मोटर वाहन समझौते (एमवीए) पर हस्ताक्षर करने के एक दशक बाद, चार दक्षिण एशियाई देशों ने सुचारू परिवहन सुनिश्चित करने के लिए प्रोटोकॉल को अंतिम रूप दे दिया है। यह प्रोटोकॉल दक्षिण एशिया में अपनी तरह का पहला प्रोटोकॉल है। मोटर वाहन समझौते के अलावा बीबीआईएन देश क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा के लिए इंटरकनेक्टेड ग्रिड के बारे में भी सहमत हो सकते हैं।

बीबीआईएन-एमवीए का उद्देश्य यात्रियों, व्यक्तिगत और कार्गो वाहनों के यातायात के माध्यम से अंतर-क्षेत्रीय व्यापार और कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए बाधाओं और नियमों को दूर करना है। हालांकि हाल ही में भारत के द्वारा बांग्लादेश को दी गई महत्वपूर्ण ट्रांसशिपमेंट सुविधाओं को रद्द करने के भारत के हालिया

फैसले से चार देशों के बीच एमवीए के निष्पादन में बाधा डाल सकती है। गौरतलब है कि बांग्लादेश के सड़क परिवहन और पुल मंत्री, भूटान के सूचना और संचार मंत्री, भारत के सड़क परिवहन और राजमार्ग और शिपिंग मंत्री और नेपाल के भौतिक बुनियादी ढांचे और परिवहन मंत्री ने 15 जून 2015 को थिम्पू, भूटान में बीबीआईएन मोटर वाहन समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। नेपाल के यातायात मन्त्रालय के सचिव केशव शर्मा के मुताबिक प्रोटोकॉल के अनुसार भूटान को छोड़कर तीन अन्य हस्ताक्षरकर्ता सभी प्रकार के वाहनों को उनके बीच चलने की अनुमति देंगे। इनमें कार्गो वाहन परमिट के तहत तीन श्रेणियों - हल्के वाणिज्यिक वाहन (7,500 किलोग्राम तक), मध्यम वाणिज्यिक वाहन (7,500-12,000 किलोग्राम) और भारी वाणिज्यिक वाहन (12,000 किलोग्राम से ऊपर) शामिल हैं। उन्होंने बताया कि प्रोटोकॉल को अंतिम रूप देने से पहले 2015 से लेकर 2018 तक कई चरण का परीक्षण किया गया। इसने दिखाया कि यात्रियों, व्यक्तिगत और कार्गो वाहनों के यातायात की निर्बाध आवाजाही संभव है। कार्गो ट्रायल रन नवंबर, 2015 में कोलकाता-ढाका-अगरतला मार्ग (600 किमी) के बीच आयोजित किया गया था। 29 अगस्त से 5 सितंबर 2016 तक ढाका और दिल्ली (1,780 किमी) के बीच, जबकि 23 अप्रैल, 2018 को भारत के माध्यम से ढाका से काठमांडू तक एक यात्री बस को परीक्षण के रूप में चलाया गया था। बीबीआईएन-एमवीए के निष्पादन का समर्थन करने वाले एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अनुसार अब प्रस्तावित ट्रायल रन मार्ग काठमांडू-भैरहवा-सुनौली-लखनऊ-कानपुर-नई दिल्ली और नेपाल और भारत के बीच काठमांडू-बीरगंज-रक्सौल-कोलकाता हैं।

गाजा में स्थायी युद्ध विराम की गारंटी देने वाला प्रस्ताव सकारात्मक : हमास

एजेंसी

गाजा। हमास ने कहा कि वह गाजा युद्ध विराम के किसी भी प्रस्ताव के बारे में सकारात्मक है, जो स्थायी युद्ध विराम की गारंटी देता है और गाजा पट्टी से इजरायली सेना की पूरी तरह वापसी की गारंटी देता है।

हमास ने एक बयान में कहा कि इस तरह के प्रस्ताव में फिलिस्तीनी लोगों की पीड़ा को समाप्त करना भी सुनिश्चित करना चाहिए और इसमें कैदियों की अदला-बदली का गंभीर सौदा भी शामिल होना चाहिए।

हमास का एक प्रतिनिधिमंडल मिस्र के निमंत्रण पर काहिरा के लिए रवाना हुआ। इसमें कहा गया है कि काहिरा में वे कतर और मिस्र के मध्यस्थों से मिलेंगे। जो गाजा में इजरायली हमलों को रोकने और एक समझौते पर पहुंचने के चल रहे

प्रयासों का हिस्सा है।

गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि 18 मार्च को गाजा पट्टी में इजरायल द्वारा फिर से गहन हमले शुरू करने के बाद से कम से कम 1,563 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 4,004 अन्य घायल हुए हैं।

नेपाल में हनुमान जयंती पर निकली शोभा यात्रा पर पथराव, स्थिति तनावपूर्ण

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्र बीरगंज में हनुमान जयंती पर निकाली गई शोभा यात्रा पर पथराव के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गयी। इससे आक्रोशित हुए लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया और कई वाहनों में आग लगा दी। हालात बिगड़ता देख पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। बीरगंज में हर बार की तरह इस बार भी हनुमान जयंती पर शोभा यात्रा निकाली गई। शहर के मुख्य मार्ग से होते हुए जैसे ही शोभायात्रा मुस्लिम बहुल इलाके में पहुंच वैसे ही इस पर पथराव शुरू हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पहले सड़क किनारे रहे मस्जिद के ऊपर से यह पथराव किया गया। उसके बाद आसपास के मुस्लिम घरों से भी पथराव किए गए। इसके कारण कुछ देर के लिए वहां भगदड़ जैसी स्थिति बन गयी। असामाजिक तत्वों ने पुलिस बल पर भी पथराव किया। हालात को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा बलों ने वहां पर कई राउंड आंशू गैस के गोले दागे और लाठी चार्ज किया। इस दौरान एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। बीरगंज के सिटी एसपी गौतम मिश्रा ने मीडिया कर्मियों को बताया कि शोभा यात्रा के दौरान पथराव करने वाले लोगों की पहचान कर उन्हें नियंत्रण में लेने का प्रयास किया जा रहा है। जिस मस्जिद और घरों के ऊपर से पथराव किए गए हैं ।

सूडान में अर्धसैनिक बलों के हमलों में 114 से अधिक नागरिक मारे गए – स्थानीय अधिकारी

एजेंसी

खार्तूम । पिछले दो दिनों में सूडान के पश्चिमी हिस्से में स्थित उत्तर दारफुर राज्य की राजधानी अल फाशर में दो शरणार्थी शिविरों पर अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेस (आरएसएफ) द्वारा किए गए हमलों में 114 से अधिक आम नागरिकों की मौत हो गई। यह जानकारी एक स्थानीय अधिकारी ने दी। न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर दारफुर राज्य के स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक इब्राहीम खातिर ने बताया, जमजम शिविर पर आरएसएफ द्वारा किए गए हमले में 100 से अधिक लोगों की जान चली गई और दर्जनों लोग घायल हुए। उन्होंने आगे बताया, अबू शौक शिविर पर एक और हमला हुआ, जिसमें 14 और लोगों की मौत हो गई और कई घायल हुए।इब्राहीम खातिर ने यह भी बताया कि जमजम शिविर में मारे गए लोगों में रिलीफ

इंटरनेशनल नामक गैर-सरकारी संस्था के 9 कर्मचारी भी शामिल हैं, जो शिविर में एक अस्थायी अस्पताल चला रहे थे। इमरजेंसी रूम नाम के एक स्वयंसेवी संगठन ने बताया कि अबू शौक शिविर पर आरएसएफ की भारी गोलाबारी में 40 नागरिक मारे गए और सैकड़ों लोग घायल हुए। इन हमलों को लेकर आरएसएफ की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। 10 मई 2024 से अल फाशर में सूडान की सेना (एसएएफ) और आरएसएफ के बीच भारी लड़ाई चल रही है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, अप्रैल 2023 के मध्य से सूडान में एसएएफ और आरएसएफ के बीच जारी संघर्ष में अब तक 29,600 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) एजेंसियों ने सूडान में मानवीय संकट के बेहद गंभीर होने को लेकर चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि देश में अकाल फैल रहा है और हिंसक टकराव जारी है जिसमें सभी आयु वर्ग के नागरिकों को बलात्कार समेत अन्य दुर्व्यवहारो का सामना करना पड़ रहा है। वहीं दानदाता अब पीछे हट रहे हैं। आपात सहायता मामलों के लिए यूएन कार्यालय के प्रवक्ता येन्स लार्के ने बताया कि शान्ति हासिल होती नजर नहीं आ रही है, जबकि सूडानी नागरिक इस विशाल मानवीय संकट में फंसे हुए हैं।

छक्के कैसे मारता हूं, अगर बता दिया तो सब समझ जाएंगे : निकोल्स पूरन

एजेंसी

लखनऊ। गुजरात टाइटंस ने जब पहले खेलकर मात्र 180 रन ही बनाए थे तो दर्शकों की नजर लखनऊ के बल्लेबाज निकोल्स पूरन पर आ गई। पूरन ने इस सीजन में दर्शकों को निराश नहीं किया है। उन्होंने ताबड़तोड़ शॉट लगाते हुए सीजन में 4 अर्धशतक लगा दिए हैं। ऑरेंज कैप भी उनके पास ही है। अपनी बल्लेबाजी पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि मैं कभी-कभी खुद को आश्चर्यचकित करता हूं, गेंद को बल्ले के बीच में जितना संभव हो सके उतना करीब लाता हूं और अपने बल्ले की स्विंग को समायोजित करता हूं। छक्के कैसे मार लेते हैं, सवाल पर उन्होंने कहा कि अगर मैं आपको सब कुछ बता दूंगा, तो वे अंततः मुझे समझ जाएंगे। यह समझने के बारे में है कि किसे आउट करना है और कभी-कभी अहंकार को भी दूर रखना है। मेरे लिए यह छक्के मारने के बारे में नहीं है, यह इस बारे में है कि मैं अपनी पारी कैसे खेलता हूं। नंबर 3 पर बल्लेबाजी करने का अवसर मिलने पर, आपको कई बार खेलने की जरूरत होती है और कई बार मजबूत होना पड़ता है।ऑरेंज कैप जीतने पर कैसा महसूस होता है, सवाल पर निकोलस पूरन ने कहा कि यह ऑरेंज कैप हैट के बारे में नहीं बल्कि गेम जीतने के बारे में है। आज विकेट बल्लेबाजी के लिए बिल्कुल खूबसूरत था। इस पर ज्यादा बात नहीं हुई।

वो 5 मैचों से पर्ची जेब में लेकर घूम रहा था, ट्रेविस हेड का मजेदार खुलासा

एजेंसी

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद की पंजाब किंग्स पर बड़ी जीत के बाद सबसे ज्यादा चर्चा अभिषेक शर्मा ने बटोरी जिन्होंने 40 गेंदों पर आईपीएल इतिहास का पांचवां सबसे तेज शतक जड़ा। अभिषेक ने जब शतक जड़ा तो उन्होंने जेब से निकाली पर्ची दर्शकों को दिखाई जिसपर उन्होंने ऑरेंज आर्मी के लिए विषेष नोट लिखा था। अभिषेक की यह एक्टिविटी क्रिकेट फैंस द्वारा खूब पसंद की गई। मैच खत्म होने के बाद जब इस संबंधी अभिषेक के साथी ट्रेविस हेड से बात की गई तो उन्होंने एक मजेदार किस्सा सुनाया। हेड ने साफ तौर पर कहा कि अभिषेक पहले ही इसके लिए तैयार थे। अब छठे मैच में उनका शतक बना है। वह तब से अपनी जेब में ही यह पर्ची डालकर घूम रहे थे।

आर्थर फिल्स को हराकर अल्कराज मोंटे कार्लो मास्टर्स के सेमीफाइनल में

मोनाको। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज ने संघर्षपूर्ण मुकाबले में फ्रांस के आर्थर फिल्स को हराकर मोंटे कार्लो मास्टर्स

टूर्नामेंट के सेमीफाइनल जगह बना ली है। आज यहां करीब ढ़ाई घंटे तक चले मुकाबले में आर्थर फिल्स से पहला सेट हराने के बाद अल्कराज ने संघर्षपूर्ण वापसी करते हुए मैच 4-6, 7-5, 6-3 से जीतकर अंतिम चार में जगह बना ली। सेमीफाइनल में में अल्कराज का मुकाबला हमवतन खिलाड़ी एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना से होगा।

मध्य प्रदेश, मणिपुर और पंजाब राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में

झांसी। 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 में हुए क्वार्टरफाइनल मुकाबलों में मध्य प्रदेश, मणिपुर और पंजाब ने अपने-अपने मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली । आज यहां दिन के पहले मैच में, चार क्वार्टर में 1-1 की बराबरी के बाद मध्य प्रदेश ने महाराष्ट्र को शूटआउट में 4-2 से हराया। प्रताप लाकड़ा ने (छठे)मिनट पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर खेल की शुरुआत में मध्य प्रदेश को बढ़त दिलाई। तीन मिनट बाद महाराष्ट्र ने आकिब रहीम ने (नौवें) मिनट में मैदानी गोल कर स्कोर एक-एक से बराबर कर दिया। इसके बाद हुए शूटआउट में सुंदरम सिंह राजावत, श्रेयस धूपे, अली अहमद और प्रताप लाकड़ा ने मध्य प्रदेश के लिए गोल किए। महाराष्ट्र के लिए देविन्दर वाल्मीकि और वेंकटेश केंचे ही एकमात्र स्कोरर रहे, जबकि मध्य प्रदेश के गोलकीपर संजय बी ने महत्वपूर्ण बचाव करते हुए।

आईपीएल 2025: हैदराबाद ने पंजाब को 8 विकेट से हराया, अभिषेक शर्मा ने लगाया शानदार शतक

एजेंसी

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 27वें मुकाबले में अभिषेक शर्मा के रिकॉर्ड शतक की मदद से सनराइजर्स हैदराबाद ने पंजाब किंग्स को 8 विकेट से हरा दिया है। हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मैच में पंजाब ने 246 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे हैदराबाद ने 18.3 ओवर में हासिल कर लिया। शानदार शतक लगाने वाले अभिषेक शर्मा को मैन ऑफ द मैच चुना गया। 246 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सनराईजर्स हैदराबाद के लिए अभिषेक शर्मा के साथ ट्रेविस हेड ने शानदार शुरुआत की और पहले विकेट के लिए 12.2 ओवर में 171 रन की साझेदारी की। हेड 37 गेंद में 66 रन बनाकर आउट हुए। वहीं अभिषेक ने 55 गेंद में 10 छक्के और 14 चौके लगाते हुए 141 रन की पारी खेली। इस दौरान अभिषेक ने महज 19 गेंद में अर्धशतक और 40 गेंद में शतक लगाया। क्लासेन

21 और किशन 9 पर नाबाद रहे। इस तरह एसआरएच ने 18.3 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 247 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। पंजाब के लिए यजुवेंद्र चहल और अर्शदीप सिंह को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले, टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए पंजाब किंग्स ने निर्धारित 20 ओवर में 245 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। पंजाब के बल्लेबाजों ने भी तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी की। प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह ने पहले विकेट के लिए चार ओवरों में 66 रन जोड़े। तीन ओवरों में ही इस जोड़ी ने टीम का स्कोर 50 के पार पहुंचा दिया था। आर्या ने 13 गेंदों पर दो चौके और चार छक्कों की मदद से 36 रन बनाए। उनके बाद आए कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी आक्रामक रुख अख्तियार किया। इस बीच प्रभसिमरन सिंह भी आउट हो गए। प्रभसिमरन सिंह ने 23 गेंदों पर सात चौके और एक छक्के की मदद से 42 रन बनाए। अय्यर का साथ देने नेहल वढेरा आए। हालांकि, वह ज्यादा आगे नहीं जा सके और 22 गेंदों पर 27 रन बनाकर आउट हो गए। शशांक सिंह दो और ग्लेन मैक्सवेल तीन रन बनाकर पवेलियन लौट लिए। अय्यर अकेले लड़ रहे थे। इस बीच मार्कस स्टोनिस ने भी अपने बल्ला का दम दिखाया। अय्यर 18वें ओवर की तीसरी गेंद पर आउट हो गए।

डोपिंग : भाला फेंक खिलाड़ी डीपी मनु पर लगा चार साल का प्रतिबंध

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी डीपी मनु पर डोपिंग के मामले में नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने चार साल का प्रतिबंध लगा दिया है। मनु के सैंपल में प्रतिबंधित पदार्थ मेथाइलटेस्टोस्टेरोन पाया गया, जिसके बाद यह सजा सुनाई गई है। 25 वर्षीय डीपी मनु ने 2023 एशियन चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था और बुडापेस्ट वर्ल्ड चैंपियनशिप में छठे स्थान पर रहे थे। अप्रैल 2024 में बेंगलुरु में आयोजित इंडियन ग्रां प्री-1 में उन्होंने 81.91 मीटर भाला फेंककर प्रतियोगिता जीती थी। इसी इवेंट के दौरान लिए गए उनके सैंपल में डोपिंग की पुष्टि हुई। डोप टेस्ट के बाद भी मनु ने दो और प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। हालांकि, वह पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए निर्धारित 85.50 मीटर क्वालिफाइंग मार्क पार नहीं कर सके। इसके बावजूद, उनकी वर्ल्ड रैंकिंग के आधार पर ओलंपिक में जगह मिलने की संभावना थी लेकिन नेशनल इंटर-स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप, पंचकूला से पहले नाडा ने उन्हें प्रोविजनल सस्पेंड कर दिया था।

मार्च में हुआ अंतिम फैसला

नाडा के एंटी डोपिंग डिसिप्लिनरी पैनल द्वारा जारी ताजा लिस्ट के मुताबिक, डीपी मनु के

केस में अंतिम फैसला 3 मार्च को सुनाया गया। उनका चार साल का प्रतिबंध 24 जून 2024 से प्रभावी माना जाएगा, यानी उसी तारीख से उनकी सजा की गिनती शुरू होगी।

राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप: मध्यप्रदेश, मणिपुर और पंजाब सेमीफाइनल में पहुंचे

एजेंसी

झांसी। 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 अब अपने अंतिम चरण की ओर बढ़ रही है। झांसी (उप्र) में खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में हॉकी मध्यप्रदेश, मणिपुर हॉकी और हॉकी पंजाब ने शानदार प्रदर्शन कर अपने मुकाबले जीते और सेमीफाइनल में जगह बनाई। दिन के पहले मुकाबले में हॉकी मध्यप्रदेश और हॉकी महाराष्ट्र के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। निर्धारित समय तक दोनों टीमों का स्कोर 1-1 से बराबर रहा। मध्यप्रदेश के लिए प्रताप लकड़ा (6फीसदी) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलते हुए शुरुआत की, जिसके जवाब में महाराष्ट्र के आकिब रहीम (9फीसदी) ने फील्ड गोल किया। मैच का निर्णय शूटआउट से हुआ, जहां मध्यप्रदेश ने 4-2 से जीत दर्ज की। सुंद्रम सिंह, श्रेयस धूपे, अली अहमद और प्रताप लकड़ा ने शूटआउट में गोल किए, जबकि गोलकीपर संजय बी ने अहम बचाव करते हुए टीम की जीत सुनिश्चित की। दूसरे क्वार्टर फाइनल में मणिपुर हॉकी और हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु के बीच रोमांचक लेकिन गोलरहित मुकाबला हुआ। दोनों टीमों ने क्रमशः 6 और 4 पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन कोई भी गोल

नहीं कर सका। शूटआउट में मणिपुर ने 4-1 से जीत दर्ज की। नीलकांता शर्मा, वारीबम नीरजकुमार सिंह, कोथाजीत सिंह और लैशराम दीपु सिंह ने गोल किए, वहीं गोलकीपर अंकित मलिक ने दो शानदार बचाव किए। तमिलनाडु के लिए केवल कार्थी सेल्वम ही स्कोर कर सके। तीसरे मुकाबले में हॉकी पंजाब ने हॉकी हरियाणा को 3-2 से हराया। पंजाब के अराइजित सिंह हुंदल (15फीसदी) ने पहला गोल किया, हरियाणा के संजय (32फीसदी) ने बराबरी दिलाई। परंतु, जुगराज सिंह (33फीसदी) और पारदीप सिंह (34फीसदी) ने ताबड़तोड़ दो गोल कर बढ़त बना दी। हरियाणा के कुलदीप (56फीसदी) ने अंतिम क्षणों में एक गोल किया, लेकिन पंजाब ने बढ़त कायम रखी।

'नाइट बाइट' में अय्यर और रहाणे ने बांटी जिंदगी की सीख और ज़ायकों की कहानी

एजेंसी

चंडीगढ़। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की खास कुकिंग शो सीरीज़ 'नाइट बाइट' के तीसरे एपिसोड में क्रिकेट से हटकर एक दिलचस्प और स्वादभरा मोड़ देखने को मिला। टीटीके प्रेस्टिज के साथ साझेदारी में बने इस शो में केकेआर के दो सितारे वेंकटेश अय्यर और अजिंक्य रहाणे ने मैदान से बाहर अपनी पाक कला का जलवा दिखाया और अपनी जड़ों से जुड़े जायकों की यादें साझा कीं। शो के दौरान जब उनके शहरों की खासियत पूछी गई, तो वेंकटेश अय्यर ने गर्व से इंदौर की गलियों का जिक्र किया। वेंकटेश ने मुस्कुराते हुए कहा, 'इंदौर में अगर आपने पोहे के साथ जलेबी नहीं खाई, तो आपकी थाली अधूरी है।' उन्होंने इंदौर के मशहूर 'सराफ़ा बाज़ार' का भी जिक्र किया, जहां रात में चलने वाला स्ट्रीट फूड मार्केट शहर की शान मानी जाती है। शो के होस्ट और शेफ कुणाल कपूर ने इंदौर के प्रसिद्ध 'भुट्टे की खीस' की भी चर्चा की, जिसे खासकर बारिश के मौसम में बड़े चाव से खाया जाता है। वहीं अजिंक्य रहाणे ने बताया कि उन्हें वड़ा पाव खाए लगभग 5-6 साल हो चुके हैं, लेकिन यह मुंबई की तेज रफ्तार जिंदगी का प्रतीक है। उन्होंने कहा, 'मुंबई में लोग भागदौड़

में रहते हैं, और वड़ा पाव ही वो चीज़ है जो चलते-फिरते खाई जाती है। वहीं वेंकटेश ने एक हेल्दी राइस रेसिपी भी साझा की, जो उन्होंने अपनी पत्नी से सीखी थी। इसमें ऑलिव ऑयल, सब्जियाँ, पनीर या सोया चंक्स व ब्रोकोली शामिल हैं, जो सेहतमंद और स्वादिष्ट दोनों है। क्रिकेट के दबाव को लेकर रहाणे ने कहा कि 'जब आप परिणाम के बारे में सोचते हैं तभी दबाव आता है। हम अनुभव और गलतियों से सीखते हैं। जरूरी है कि आप वर्तमान में रहें और उसी पल पर ध्यान दें। एपिसोड के अंत में तीन शहरों के जायकों को मिलाकर एक खास डिश 'खीस के बड़े' तैयार की गई। इंदौरी खीस से बना वड़ा, जो मुंबई के अंदाज में तला गया और कोलकाता की चटनी के साथ परोसा गया।

राजस्थान के खिलाफ 'ग्रीन जर्सी' में उतरेगी आरसीबी, कप्तान पाटीदार बोले- सिर्फ अच्छा क्रिकेट खेलना लक्ष्य

एजेंसी

जयपुर। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में 13 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) पूरी तरह तैयार है। इस मुकाबले की खास बात यह है कि आरसीबी अपनी पारंपरिक ग्रीन जर्सी में मैदान पर उतरेगी।

पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से हर साल यह विशेष पहल की जाती है, जिसे आरसीबी अपनी कार्बन-न्यूट्रल टीम की छवि के तहत निभा रही है। मैच की पूर्व संध्या पर कप्तान रजत पाटीदार ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, जब मैं मैदान पर होता हूं तो खुद को कप्तान मानता हूं,

लेकिन बल्लेबाजी करते समय मैं सिर्फ अपने खेल पर ध्यान देता हूं। कप्तानी का दबाव महसूस नहीं करता। घरेलू क्रिकेट में भी मैं हमेशा मौजूदा पल पर ध्यान केंद्रित करता हूं और टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता हूं। पाटीदार ने आगे कहा कि टीम एक मैच को एक समय में लेती है और आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरती है। उन्होंने कहा, हम अच्छे क्रिकेट पर फोकस करते हैं, न कि इस बात पर कि मुकाबला किस मैदान पर हो रहा है। ग्रीन जर्सी पहनना हमारे लिए गर्व की बात है और यह मुकाबला हमारे लिए बेहद खास और रोमांचक होगा। आरसीबी की यह हरित पहल न केवल खेल भावना को बढ़ावा देती है, बल्कि पर्यावरण-संरक्षण का संदेश भी पूरे विश्व तक पहुंचाती है। अब देखना दिलचस्प होगा कि यह खास मुकाबला किस टीम के नाम होता है।

सुनील नरेन टीम के लिए एक्स-फैक्टर : क्विंटन डिकॉक

एजेंसी

चेन्नई। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिली शानदार 8 विकेट की जीत के बाद अपने ओपनिंग पार्टनर सुनील नरेन की जमकर तारीफ की। शुक्रवार रात खेले गए इस मुकाबले में केकेआर ने सीएसके को उसके घरेलू मैदान पर सिर्फ 104 रनों पर रोक दिया और लक्ष्य को सिर्फ 10.1 ओवर में हासिल कर लिया। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में डिकॉक ने कहा, मुझे लगता है कि सुनील नरेन और वरुण चक्रवर्ती की सबसे बड़ी ताकत उनकी विविधता है। दोनों मिस्ट्री स्पिनर हैं और हमेशा गेंदों को मिक्स करते रहते हैं। ऐसे गेंदबाजों के खिलाफ शॉट लगाना आसान नहीं होता, क्योंकि आप अंदाजा नहीं लगा सकते कि अगली गेंद कैसी होगी। डिकॉक ने अपने ओपनिंग पार्टनर नरेन की बल्लेबाजी की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, जब सुनील बैटिंग करते हैं, तो वो एक्स-फैक्टर लेकर आते हैं। हर गेंदबाज जानता है कि वो शुरुआत से ही आक्रामक खेलेंगे। डिकॉक ने अपने और नरेन की ओपनिंग साझेदारी के तरीके पर भी बात की।

उन्होंने कहा, जैसे ही वो शुरुआत करते हैं, वो पहली ही गेंद से बड़े शॉट लगाने लगते हैं। मैं बस एक-दो गेंद खेलकर उन्हें स्ट्राइक देता हूं और जानकारी देता रहता हूं कि पिच कैसी है। इससे उन्हें अपने तरीके से खेलने में मदद मिलती है।

गुजरात ने अंक तालिका में गंवाया पहला स्थान, हैदराबाद को बढ़त, पर्पल कैप की जंग हुई रोमांचक

एजेंसी

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस ने लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में हार के बाद आईपीएल 2025 प्वाइंट टेबल में पहला स्थान गंवा दिया है। वहीं शनिवार रात सनराइजर्स हैदराबाद ने पंजाब को हराकर अपनी स्थिति मजबूत करते हुए प्वाइंट टेबल में 2 स्थान की बढ़त हासिल की है।

गुजरात के छह मैचों में 4 जीत और 2 हार के बाद 1.081 के नेट रन रेट के साथ 8 अंक हैं। दिल्ली के भी 8 अंक ही हैं जो टॉप पर है लेकिन उसने अपने चारों मैच जीते हैं। लखनऊ के भी छह मैचों में 4 जीत और 2 हार के बाद 8 अंक हैं लेकिन नेट रन रेट (0.162) के कारण तीसरे स्थान पर है।

सनराइजर्स हैदराबाद ने 6 मैचों में 2 जीत के साथ 4 अंक हासिल किए और अब 8वें पायदान पर है। वहीं पंजाब की टीम ने 5 में से 3 मैच जीते हैं जिससे उसके 6 अंक हैं और तालिका में छठे स्थान पर है।

ऑरेंज कैप : निकोल्स पूरन ऑरेंज कैप होल्ड किए हुए हैं और पिछले मैच के मुकाबले अपने खाते में 61 रन जोड़े हैं। इससे उनके 6 इनिंग्स में 69.80 की औसत और 87 के हाईएस्ट स्कोर के साथ 349 रन हो गए हैं जिसमें 4 अर्धशतक भी शामिल हैं।

पर्पल कैप: नूर अहमद 8.33 की इकोनॉमी के रेट से 5 मैचों में 150 रन देते हुए 18/4 के बेस्ट बॉलिंग के साथ 12 विकेट अपने नाम कर पर्पल कैप होल्ड किए हुए हैं। लेकिन शार्दुल ठाकुर से उन्हें कड़ी टक्कर मिल रही है क्योंकि उन्होंने गुजरात के खिलाफ 2 विकेट लेकिन संख्या को 11 कर दिया है। शार्दुल ने भी छह मैच खेले हैं लेकिन उनका ईकोनॉमी रेट 10.38 है।

दौसा में देवनगरी प्रीमियर कबड्डी लीग 2025 का हुआ भव्य शुभारंभ

दौसा। देवनगरी प्रीमियर कबड्डी लीग 2025 (द्वितीय) का उद्घाटन बजरंग मैदान, दौसा में हर्षोल्लास और खेल भावना के साथ किया गया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा नेता जगमोहन मीना रहे, जबकि अध्यक्षता आरपीएससी के पूर्व सदस्य विनोद बिहारी शर्मा ने की। समारोह में अनेक विशिष्ट अतिथियों ने शिरकत की, जिनमें परिवहन आयुक्त जगदीश प्रसाद बैरवा, नगर परिषद अध्यक्ष कल्पना जैमन, कबड्डी संघ के महासचिव अब्दुल जब्बार, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सचिन तंवर, भामाशाह केदार प्रसाद मीना व भाजपा अजजा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेश मीना प्रमुख रहे। समारोह की शुरुआत खिलाड़ियों से परिचय और विधिवत खेल शुभारंभ के साथ हुई।

ग्लेन फिलिप्स ग्रोइन इंजरी के कारण आईपीएल 2025 से बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस टीम को एक बड़ा झटका लगा है। टीम के कीवी ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स ग्रोइन इंजरी के चलते इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन से बाहर हो गए हैं। फ्रेंचाइजी ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। गुजरात टाइटंस की ओर से जारी बयान में कहा गया, ग्लेन फिलिप्स को 6 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच के दौरान ग्रोइन इंजरी हुई थी। वह स्वदेश लौट चुके हैं और इस सीजन में अब हिस्सा नहीं लेंगे। फिलहाल फ्रेंचाइजी ने फिलिप्स के रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं किया है। ग्लेन फिलिप्स को यह चोट 6 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान लगी थी। इस सीजन अब तक फिलिप्स को गुजरात टाइटंस की प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला था, लेकिन वह इस मुकाबले में सब्स्टीट्यूट फील्डर के तौर पर मैदान पर उतरे थे। घटना पावरप्ले के आखिरी ओवर में हुई, जब पॉइंट पर फील्डिंग कर रहे

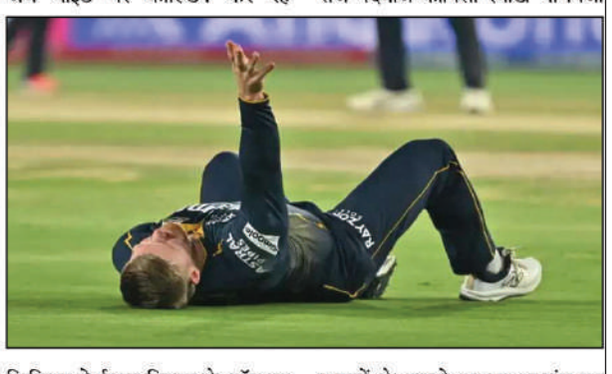

फिलिप्स ने ईशान किशन के शॉट का पीछा किया। गेंद को तेजी से पकड़कर थ्रो करते वक्त वह अपना ग्रोइन ज्यादा खींच बैठे और दर्द से कराहते हुए मैदान पर गिर पड़े। इसके बाद गुजरात टाइटंस के सपोर्ट स्टाफ की मदद से उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया। ग्लेन फिलिप्स से पहले दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा भी निजी कारणों के चलते गुजरात टाइटंस का कैंप छोड़कर स्वदेश लौट चुके हैं। अब फिलिप्स की गैरमौजूदगी से टीम की बेंच स्ट्रेंथ पर असर पड़ सकता है।

रन कम थे, या गेंदबाजी कमजोर रही, शुभमन गिल ने बताया हार का कारण

एजेंसी

लखनऊ। एकाना स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के हाथों गुजरात टाइटंस को सीजन की दूसरी हार झेलनी पड़ी। गुजरात अच्छी शुरूआत के बावजूद 180 रन ही बना पाई जिसका फायदा लखनऊ के बल्लेबाजों ने उठाया। वहीं, मैच खत्म होने के बाद जब शुभमन गिल से हार का कारण पूछा गया तो उन्होंने कहा कि विकेट पर हिट करना शुरू से ही आसान नहीं था। यह बातचीत थी कि अगर एक बल्लेबाज जम गया है, तो हमें कम से कम 17-18 ओवर खेलने होंगे ताकि हम बोर्ड पर 200-220 का अच्छा स्कोर बना सकें। लगातार 2 विकेट खोने से हमें मदद नहीं मिली। गेंद रुक रही थी, यह आसान विकेट नहीं था। बीच में हमारा स्ट्राइक रोटेशन उतना अच्छा नहीं था जितना हमने उम्मीद की थी और यह कुछ ऐसा है जिस पर हमें काम करने की जरूरत है।

आक्रामक बल्लेबाजों के

खिलाफ मानसिकता क्या रहती है, सवाल पर शुभमन ने कहा कि मेरी कोशिश हमेशा विकेट लेने की रहती है। यही हमारी रणनीति थी। हां, हम खेल में पीछे थे लेकिन अगर हमें 2-3 विकेट मिल जाते हैं, तो मैच बहुत आगे बढ़ सकता था। 10-11वें ओवर के बाद जब हम गेंदबाजी कर रहे थे, तो थोड़ी ओस थी। गेंद उतनी नहीं रुकी जितनी हमने सोचा था। जब आपको 30 गेंदों पर 30 रन चाहिए होते हैं और अगर मैच अंतिम ओवर तक जाता है, तो यह हमारे लिए हमेशा अच्छा संकेत है। दूसरे टाइमआउट में यही बातचीत हुई कि हम इस खेल को जितना संभव हो सके उतना आगे ले जाएंगे।

अंक तालिका में गुजरात दूसरे स्थान पर : गुजरात टाइटंस मैच शुरू होने से पहले अंक तालिका में पहले नंबर पर थी। लेकिन लखनऊ सुपर जायंट्स ने जीत के साथ उन्हें दूसरे स्थान पर धकेल दिया है। लखनऊ अब छह मैचों में चार जीत के साथ तीसरे नंबर पर आ गई है। पहले नंबर पर चार मैचों में चार जीत के साथ दिल्ली कैपिटल्स बनी हुई है। गुजरात ने पहला मुकाबला पंजाब से हारने के बाद मुंबई, आरसीबी, हैदराबाद और राजस्थान को लगातार मैचों में हराया था। लेकिन लखनऊ के खिलाफ उन्हें हार झेलनी पड़ी। वहीं, लखनऊ ने इस सीजन में दिल्ली और पंजाब से ही मुकाबले गंवाए हैं। वह हैदराबाद, मुंबई, कोलकाता और गुजरात पर जीत हासिल कर चुकी है।

मोहन बागान एसजी ने बेंगलुरु एफसी को 2-1 से हराकर जीता आईएसएल कप

एजेंसी

कोलकाता। मोहन बागान सुपर जायंट (एमबीएसजी) ने बेंगलुरु एफसी को 2-1 हराकर इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 कप जीता। आज यहां विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेले गये मुकाबले में एमबीएसजी ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए दूसरी बार यह खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ ही एमबीएसजी, मुंबई सिटी एफसी (2020-21) के बाद एक ही सीजन में लीग शील्ड और आईएसएल कप जीतने वाली दूसरी टीम बन गई हैं। बेंगलुरू एफसी के डिफेंडर अल्बर्टो रोड्रिगेज ने 49वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को 1-0से बढ़त दिलाई। इसके बाद मोहन बगान के कमिंग्स ने 72वें मिनट में गोलकर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया।

ऋतिक रोशन के अपोजिट होंगी

प्रियंका चोपड़ा

1000 करोड़ी फिल्म से पहले होगा असली धमाका!

ऋतिक रोशन के नाम इस वक्त दो बड़ी फिल्में हैं. पहली 'वॉर 2', जो इसी साल रिलीज की जाएगी. फिलहाल थोड़ा शूट बाकी है. वहीं एक है- KRRISH 4. फिल्म का डायरेक्शन खुद ऋतिक रोशन ही संभाल रहे हैं. ऐसा कहा जा रहा है कि वो फिल्म में कई किरदार निभाने वाले हैं. वहीं प्रीति जिंटा भी पिक्चर में दिखाई देंगी. इस सुपरहीरो फिल्म को राकेश रोशन आदित्य चोपड़ा के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं. इंडियन सिनेमा के रूटस को पकड़े हुए ग्लोबल लेवल पर धमाका करने की प्लानिंग की जा रही है. इसी बीच खबर आई कि फिल्म में प्रियंका चोपड़ा भी दिखने वाली हैं.

हाल ही में पिंकविला पर एक रिपोर्ट छपी. इसके मुताबिक, प्रियंका चोपड़ा 'कृष 4' में वापसी कर रही हैं. वहीं वो प्रिया का रोल करती ही नजर आएंगी. कहा जा रहा है कि ऋतिक रोशन और आदित्य चोपड़ा ने प्रियंका चोपड़ा को बतौर फीमेल लीड लॉक कर लिया है. दरअसल इस वक्त ऋतिक अमेरिका में हैं, ऐसा पता लगा कि उनकी निक और प्रियंका से मुलाकात भी हुई है.

ऋतिक रोशन के अपोजिट होंगी प्रियंका ?

नई रिपोर्ट के मुताबिक, ऋतिक रोशन की krrish 4 के लिए प्रियंका चोपड़ा को कंफर्म कर लिया गया है. वो बतौर लीड पिक्चर में काम करती दिखेंगी. दरअसल दोनों की जोड़ी हिट रही है और काफी पसंद भी की गई है. साल 2006 में कृष आई थी, जिसके बाद से ही प्रियंका चोपड़ा इस फ्रेंचाइज के साथ जुड़ी हुई है. अब क्योंकि कहानी आगे बढ़ेगी, तो प्रियंका की जरूरत भी होगी. ऐसे में उन्होंने हामी भर दी है. वो ऋतिक रोशन की फ्रेंचाइज को आगे ले जाने की प्लानिंग सुन काफी खुश हैं.

फिल्म का काम कहां तक पहुंचा ?

KRRISH 4 का प्री-प्रोडक्शन वर्क जारी है. इस वक्त VFX टीम सुपरहीरो एपिक के प्री-विज पर काम कर रही है. वहीं ऋतिक रोशन का भी पूरा फोकस फिल्म की तरफ है. वो राइटर्स के साथ मिलकर काम कर रहे हैं. इसके साथ ही आदित्य चोपड़ा भी स्क्रिप्ट को बेहतर बनाने पर काम कर रहे हैं. दरअसल 'कृष 4' एक ऐसी फिल्म है, जिसमें ङ्कस्रङ्क की शुरुआत ही कहानी के साथ होती है. कहा जा रहा है कि फिल्म का शूट साल 2026 के पहले क्वार्टर से शुरू होगा. साथ ही साथ कास्टिंग भी चल रही है.

1000 करोड़ी फिल्म में प्रियंका

इस वक्त प्रियंका चोपड़ा SSMB29 पर काम कर रही हैं. वो एस.एस राजामौली और महेश बाबू की फिल्म के लिए 30 करोड़ फीस ले रही है. फिल्म का शूट चालू हो चुका है. ऐसी खबर है कि वो पिक्चर में नेगेटिव रोल करती दिखेंगी. इस फिल्म का बजट 1000 करोड़ से ज्यादा बताया जा रहा है.

जब घर आए शाहरुख के बालों में हेमा मालिनी ने खुद की कंघी, फिर एक्टर ने लिया लाइफ बदलने वाला फैसला

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान के इंडस्ट्री में कई बड़े दिग्गज कलाकारों के साथ अच्छे रिश्ते हैं. अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गज एक्टर के शाहरुख खान पैर छूते हैं और उनका काफी सम्मान करते हैं. वहीं हेमा मालिनी जैसी मशहूर और सीनियर एक्ट्रेस को भी शाहरुख काफी मानते हैं.शाहरुख खान के दिल में बॉलीवुड की 'ड्रीम गर्ल' हेमा मालिनी के लिए बेहद प्यार और सम्मान है. दोनों के बीच कई मौकों पर खास बॉन्डिंग देखने को मिली है. इसका इससे बढ़िया उदाहरण क्या हो सकता है कि सालों पहले जब शाहरुख, हेमा मालिनी के घर पहुंचे थे तो हेमा ने खुद अपने हाथों से शाहरुख के बालों में कंघी की थी. इसके बाद एक्टर ने तुरंत ही अपनी लाइफ बदलने वाला बड़ा फैसला ले लिया था.

घर आए शाहरुख के बालों में हेमा ने की थी कंघी

जो किस्सा हम आपको सुना रहे हैं उसका खुलासा खुद शाहरुख खान ने इंडिया टीवी को दिए इंटरव्यू में किया था. शाहरुख ने बताया था एक बार उनका हेमा मालिनी के घर पर जाना हुआ था. तब हेमा को उनका हेयर स्टाइल पसंद नहीं आया था. हेमा ने शाहरुख से कहा था कि तुम्हें मेकअप करना होगा. लेकिन शाहरुख ने कहा कि मैं दिल्ली का लड़का हूं, मेकअप वगैरह के बारे में नहीं जानता. इसके बाद हेमा ने अपने हाथों से शाहरुख के बालों में कंघी की थी.

शाहरुख ने तुरंत लिया बड़ा फैसला

शाहरुख खान के लिए वो पल बेहद खास था. ये उन दिनों की बात है जब एक्टर इंडस्ट्री में बिलकुल नए थे. हेमा की तरफ से वो ऐसा व्यवहार देखकर हैरान रह गए थे. शाहरुख ने आगे कहा था, जब हेमा जी ने खुद मेरे बाल बनाए मैंने तभी फैसला कर लिया था कि अब मुंबई नहीं छोड़ना. अब नहीं जाऊंगा यहां से. इसके बाद एक्टर ने बॉलीवुड में टिके रहकर हिंदी सिनेमा में एक खास मुकाम हासिल किया.

शाहरुख की डायरेक्टर रह चुकी हैं हेमा

शाहरुख ने हिंदी सिनेमा में अपने कदम साल 1992 में आई फिल्म 'दीवाना' से रखे थे. इसके बाद इसी साल उनकी फिल्म 'दिल आशना है' भी रिलीज हुई थी. इसका डायरेक्शन हेमा मालिनी ने किया था. करियर की शुरुआत में ही शाहरुख को हेमा के साथ काम करने का मौका मिल गया था.

12 घंटे में दुनिया पलट गई...3 साल के बेटे के साथ हुआ कुछ ऐसा, इमरान हाशमी की लाइफ में 5 साल तक छा गया था अंधेरा

बॉलीवुड के जाने-माने एक्टर इमरान हाशमी अपनी अपकमिंग फिल्म 'ग्राउंड जीरो' को लेकर सुर्खियों में हैं. इस फिल्म की चर्चा के बीच अब एक्टर ने अपने जीवन के सबसे बुरे दौर का खुलासा किया है. एक्टर ने बताया कि जब उनके बेटे अयान को तीन साल की उम्र में कैंसर जैसी गंभीर बीमारी हो गई थी तो उनकी लाइफ में अचानक से सब कुछ बदल गया था. एक्टर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बेटे के कैंसर के बारे में खुलकर बात की. उन्होंने कहा कि उनकी लाइफ में पांच साल तक अंधेरा छा गया था.रणवीर इलहाबादिया के पॉडकास्ट में जब इमरान हाशमी से जिंदगी के सबसे बुरे दौर को लेकर सवाल हुआ तब इमरान ने कहा, मुझे लगता है कि जब मेरा बेटा 2014 में बीमार हो गया था तो वो मेरी लाइफ का सबसे बुरा दौर था. इसे मैं शब्दों में भी बयां नहीं कर सकता कि वो फेज क्या था. सिर्फ उस वक्त नहीं, ये सब

कुछ पांच साल तक चलता रहा. मैंने उस बुरे समय से बहुत कुछ सीखा और मुश्किल समय में भी उम्मीद बनाए रखी.

12 घंटे में दुनिया पलट गई

इमरान ने बताया कि, जब मेरा बेटा साल 2014 में बीमार हुआ था तो बहुत बड़ा धक्का लगा था. हम कभी इस चीज के लिए तैयार नहीं थे. इसके बाद उनसे सवाल किया गया कि उन्हें बेटे के कैंसर के बारे में पता कैसे चला था? तो एक्टर ने कहा, 12 घंटे में मेरी दुनिया पलट गई. 13 जनवरी को हम ताज लैंड्स होटल में फिज्जा खा रहे थे तब ही बेटे को कैंसर का पहला लक्षण खाने की टेबल पर दिखाई दिया. इसके बाद बेटे को यूरिन में ब्लड आने लगा. जो हमारा एक खुशी भरा ब्रंच था वो गम में बदल गया. अगले तीन घंटे के अंदर हम एक डॉक्टर के क्लिनिक में थे. डॉक्टर ने बताया आपके बेटे को कैंसर हुआ है. अगले दिन इसका ऑपरेशन करना पड़ेगा. फिर कीमोथेरेपी होगी.

5 साल बाद ठीक हुआ था बेटे का कैंसर

साल 2006 में इमरान ने परवीन शहानी से शादी की थी. 2010 में दोनों ने बेटे अयान का वेलकम किया. अयान जब तीन साल 10 महीने के थे तब उन्हें कैंसर हुआ हुआ था. इमरान ने बताया कि साल 2019 में अयान बीमारी से पूरी तरह ठीक हो गए.

कौन हैं 'स्त्री' का सबसे पसंदीदा पुरुष? इस शख्स पर जान छिड़कती हैं

श्रद्धा कपूर

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर ने साल 2024 में आई अपनी फिल्म 'स्त्री 2' से टिकट खिड़की पर एक दो नहीं बल्कि ढेरों रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए थे. इस फिल्म की आंधी में बड़े-बड़े दिग्गजों के रिकॉर्ड धरे के धरे रह गए थे. श्रद्धा ने 'स्त्री' की तरह 'स्त्री 2' में भी अपनी बेहतरीन अदाकारी से फैंस का दिल जीत लिया था.'स्त्री 2' की अपार सफलता के बाद से ही श्रद्धा कपूर के सितारे बुलंदियों पर हैं. खैर एक्ट्रेस फिलहाल तो अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. लंबे समय से उनका नाम राहुल मोदी के साथ जुड़ रहा है. हाल ही में उन्हें राहुल के ऑफिस जाते हुए देखा गया. इससे पहले भी एक्ट्रेस का नाम कई लोगों के साथ जुड़ चुका है. लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि एक्ट्रेस की लाइफ का सबसे पसंदीदा शख्स कौन है? एक बार खुद बॉलीवुड की 'स्त्री' ने सोशल मीडिया पर अपने पसंदीदा पुरुष का खुलासा किया था.

कौन हैं 'स्त्री' का सबसे पसंदीदा पुरुष ?

श्रद्धा कपूर दिग्गज एक्टर शक्ति कपूर की बेटी हैं. श्रद्धा अपने पिता को अपनी लाइफ का सबसे पसंदीदा पुरुष मानती हैं. 2024 में शक्ति कपूर के बर्थडे पर श्रद्धा ने एक पोस्ट शेयर करते हुए उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी थी और उन्हें 'बापू' कहते हुए पसंदीदा पुरुष कहा था. एक्ट्रेस ने पिता के साथ अपनी एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा था, आज मेरे पसंदीदा पुरुष का जन्मदिन है. जन्मदिन की शुभकामनाएं बापू. वो स्त्री है, वो कुछ भी कर सकती है, क्योंकि उसके पापा का हाथ हर दम उसके सिर पर है.

इस फिल्म के दौरान हुई थी राहुल-श्रद्धा की मुलाकात

रिपोर्ट्स के मुताबिक राहुल और श्रद्धा की पहली मुलाकात फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' के दौरान हुई थी. राहुल ने श्रद्धा और रणबीर कपूर की इस फिल्म के लिए बतौर राइटर काम किया था. इस दौरान उनका श्रद्धा के साथ अच्छा रिश्ता बन गया था. इसके बाद से लगातार दोनों के अफेयर की खबरें आती रहती हैं.

साथ में सेलिब्रेट किया था बर्थडे

श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी को हाल ही में श्रद्धा के बर्थडे पर गेटवे ऑफ इंडिया के पास स्पॉट किया गया था. रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि श्रद्धा ने राहुल के साथ ही अपना 38वां बर्थडे सेलिब्रेट किया था.

मनरेगा योजना में सुधार की जरूरत...

संसदीय समिति ने की स्वतंत्र सर्वेक्षण कराने की सिफारिश

नई दिल्ली

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) में सुधार की जरूरत है। संसदीय समिति ने योजना का स्वतंत्र सर्वेक्षण कराने की सिफारिश की है। ग्रामीण विकास और पंचायती राज संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने योजना के तहत कार्य दिवस की संख्या 100 से बढ़ाकर 150 करने और मजदूरी को बढ़ाकर 400 रुपये प्रतिदिन करने के लिए भी कहा है। इसके अलावा समिति ने बजट आवंटन पर चिंता जताई और सोशल ऑडिट कराने पर जोर दिया। कांग्रेस सांसद सप्तगिरि शंकर उलाका की अध्यक्षता वाली समिति ने कहा कि मनरेगा की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए व्यापक राष्ट्रीय सर्वेक्षण कराया जाना चाहिए। सर्वेक्षण में श्रमिक संतुष्टि, वेतन में देरी, भागीदारी की प्रवृत्ति और योजना के अंतर्गत वित्तीय अनियमितताओं पर ध्यान दिया जाए। समिति ने योजना की कमियों के बारे में जानकारी प्राप्त करने, आवश्यक सुधार लागू करने के लिए देश भर में स्वतंत्र और पारदर्शी सर्वेक्षण की सिफारिश की है। समिति ने कहा कि बदलते समय और उभरती चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए योजना में सुधार की जरूरत है। योजना के तहत कार्य दिवसों की

संख्या को मौजूदा 100 दिनों से बढ़ाकर कम से कम 150 दिन किया जाए। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन, आपदा राहत, सूखा राहत प्रावधान के तहत कार्य दिवस को 150 दिन से बढ़ाकर 200 दिन किया जाना चाहिए। बढ़ती महंगाई के साथ मजदूरी में वृद्धि न होने पर चिंता व्यक्त करते हुए समिति ने कहा कि मनरेगा के अंतर्गत आधार मजदूरी दरों में भी संशोधन किया जाना चाहिए। कम से कम 400 रुपये प्रतिदिन मजदूरी प्रदान की जानी चाहिए, क्योंकि मौजूदा दरें बुनियादी दैनिक खर्चों को पूरा करने के लिए भी पर्याप्त नहीं हैं। समिति ने रिपोर्ट में कहा कि मजदूरी भुगतान में लगातार देरी हो रही है। देरी से मिलने वाली मजदूरी के लिए मुआवजा दर में वृद्धि की सिफारिश की गई। समिति ने कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए सोशल ऑडिट कराया जाना चाहिए। समिति ने ग्रामीण विकास मंत्रालय से सोशल ऑडिट कैलेंडर तैयार करने की अपील की। संसदीय समिति ने कहा कि 2021-22 में लगभग 50.31 लाख जॉब कार्ड मामूली वर्तनी की त्रुटियों या आधार विवरण में बेमेल के कारण हटा दिए गए। तब से लेकर अब तक इन आंकड़ों में कोई खास कमी नहीं आई है। हजारों पात्र श्रमिकों को मनरेगा के तहत काम देने से मना किया जा रहा है। समिति ने सिफारिश की है कि ग्रामीण विकास विभाग को मैनुअल सत्यापन और सुधार की सुविधा प्रदान करने हेतु एक प्रणाली शुरू करनी चाहिए। ताकि श्रमिकों को कार्यक्रम से अनुचित रूप से हटाया न जा सके।

पहली बार भारत ने दुनिया को दिखाया अपना लेजर हथियार

कुरनूल

भारत ने अब लेजर हथियार प्रणाली से दुश्मन के ड्रोन और मिसाइलों को मार गिराने की क्षमता हासिल कर ली है। डीआरडीओ की तरफ से पहली बार आंध्र प्रदेश के कुरनूल में इस 30 किलोवाट लेजर आधारित हथियार प्रणाली की क्षमता का प्रदर्शन किया गया। इस प्रणाली का उपयोग करके फिक्स्ड विंग एयरक्राफ्ट, मिसाइल और स्वार्म ड्रोन (एक साथ आने वाले कई ड्रोन) को निशाना बनाया गया। ऐसा करके भारत अमेरिका, चीन और रूस सहित उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो गया है, जिन्होंने ऐसी क्षमता दिखाई है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत ने कहा कि यह सिर्फ एक शुरूआत है। उन्होंने कहा कि इस सफलता में कई डीआरडीओ प्रयोगशालाओं, उद्योग और शैक्षिणक संस्थानों ने मिलकर काम किया है। मुझे यकीन है कि हम जल्द ही अपनी मंजिल तक पहुंच जाएंगे। उन्होंने कहा कि हम अभी और भी ताकतवर तकनीकों पर काम कर रहे हैं। इनमें उच्च ऊर्जा माइक्रोवेव, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक पल्स जैसी अन्य उच्च ऊर्जा प्रणालियां शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये तकनीकें हमें स्टार वार्स जैसी क्षमता प्रदान करेंगी। आज जो आपने देखा, वह स्टार वार्स तकनीकों की दिशा में एक छोटा, लेकिन अहम कदम है।

अमेरिका-रूस और चीन इस प्रणाली का कर चुके प्रदर्शनः डॉ. कामत

डीआरडीओ अध्यक्ष डॉ कामत ने आगे कहा कि मेरी जानकारी के अनुसार, हमसे पहले अमेरिका, रूस और चीन ने लेजर हथियार प्रणाली का प्रदर्शन किया है। इस्त्राइल भी इसी तरह की क्षमताओं पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम इस प्रणाली का प्रदर्शन करने वाले दुनिया के चौथे या पांचवें देश हैं।

2035 तक तैयार होगा पहला 5वीं पीढ़ी का स्टील्थ विमान

भारत के पहले 5वीं पीढ़ी के स्टील्थ विमान एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट के बारे में पूछे जाने पर डीआरडीओ अध्यक्ष डॉ. कामत ने कहा कि एक नया प्लेटफॉर्म विकसित करने में 10 से 15 साल लग जाते हैं। सीसीएस से परियोजना को मंजूरी मिलने के बाद, हमने यह यात्रा 2024 में ही शुरू की है।

सुप्रीम कोर्ट संविधान संशोधन करेगा तो सदन किसलिए हैं?' केरल राज्यपाल

तिरुवनंतपुरम

सुप्रीम कोर्ट ने अपने हालिया फैसले में राष्ट्रपति को तीन महीने में विधेयक पर फैसला लेने की सलाह दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर तीन महीने की समयसीमा में राष्ट्रपति फैसला नहीं लेते हैं तो उन्हें इसकी वाजिब वजह बतानी होगी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के चलते राज्यपाल भी अनिश्चित समय तक विधेयक को लंबित नहीं रख सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले की केरल के राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अगर संविधान संशोधन का काम भी सुप्रीम कोर्ट करेगा तो फिर संसद और विधानसभाएं किस लिए हैं।

राज्यपाल के बयान की कांग्रेस और सीपीआईएम ने की आलोचना

केरल राज्यपाल के इस बयान पर राजनीति गरमा गई है और कांग्रेस और केरल की सत्ताधारी पार्टी सीपीआईएम ने राज्यपाल की आलोचना की है। सीपीआईएम के महासचिव एमए बेबी ने राज्यपाल के बयान को अवांछित बताया और कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आर्लेकर के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। कोझिकोड में एक कार्यक्रम के दौरान केसी वेणुगोपाल ने कहा कि राज्यपाल, सुप्रीम कोर्ट के फैसले की आलोचना इसलिए कर रहे हैं क्योंकि उन्हें डर है कि अब भाजपा का एजेंडा खुलकर सामने आ जाएगा। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण कि केरल के राज्यपाल सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ हैं।

'सुप्रीम कोर्ट की आलोचना करना गलत'

सीपीआईएम नेता एमए बेबी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला सभी पर लागू होगा, जिसमें राष्ट्रपति भी शामिल हैं। जब राष्ट्रपति संसद के विधेयक में देरी नहीं कर सकते तो फिर राज्यपाल के पास वो अधिकार कैसे हो सकता है, जो राष्ट्रपति के पास नहीं है? बेबी ने कहा कि सभी राज्यपालों को सुप्रीम कोर्ट के फैसले को स्वीकार करना चाहिए, लेकिन केरल राज्यपाल के बयान से साफ है कि उन्हें यह स्वीकार नहीं है। उनका सुप्रीम कोर्ट की आलोचना करना गलत है। केरल के कानून मंत्री ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर खुशी जताते हुए इसे लोकतंत्र और संघवाद की जीत बताया। उन्होंने कहा कि कानून का छात्र होने के नाते, मुझे लगता है कि यह बहुत अच्छा फैसला है।

मेरे पिताजी भी बाबा के दर्शन को आते थे और अब मैं भी उसी श्रद्धा से आती हूं - रेखा गुप्ता

दिव्या दिल्ली : श्री हनुमान जन्मोत्सव मरघट वाले बाबा हनुमान मंदिर (यमुना बाजार, दिल्ली) के पीछे स्थित कथा कुंज में भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने बाबा को धन्यवाद देते हुए कहा, मरघट वाले बाबा मेरे बोलने से पहले ही मुझे बहुत कुछ दे देते हैं। उन्होंने ही मुझे इस कुर्सी पर बैठाया है। मेरे पिताजी भी बाबा के दर्शन करने आते थे और अब मैं भी उसी आस्था से यहां आती हूं। मुख्यमंत्री को समस्त हनुमान भक्त सेवा समिति (पंजीकृत) के अध्यक्ष श्री संजय गर्ग द्वारा श्री हनुमान जी की भव्य मूर्ति भेंट की गई। कार्यक्रम की

शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसे जाने-माने समाजसेवी श्री राम अवतार गर्ग ने संपन्न किया।भजन संध्या का आयोजन श्री महंत वरुण शर्मा जी के सानिध्य में किया गया। भक्ति रस से सराबोर इस संध्या में प्रसिद्ध भजन गायक श्री लखबीर सिंह लक्खा, श्री कन्हैया मित्तल तथा कोलकाता से आए शुभम-रूपम की जोड़ी ने अपनी भक्ति-पूर्ण प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।श्रद्धा, भक्ति और संगीत से परिपूर्ण यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए एक दुर्लभ आध्यात्मिक अनुभव बन गया, जिसमें संतों का सानिध्य और भजनों की मधुरता ने वातावरण को संपूर्ण रूप से भक्तिमय कर दिया।

खालसा साजना दिवस के उपलक्ष पर बच्चों ने किया गुरबाणी कीर्तन पम्मा को सरोपा पहनकर किया सम्मानित

दिव्या दिल्ली :

खालसा साजना दिवस (वैसाखी) के उपलक्ष पर गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा सरस्वती गार्डन कीर्तन दरबार का आयोजन किया गया जिसमें छोटे-छोटे बच्चों ने बहुत ही सुंदर गुरबाणी कीर्तन किया इस अवसर पर काफी संख्या में संगत उपस्थित थी।कमेटी के महासचिव रविंदर पाल सिंह नागपाल व अन्य सदस्यों ने नेशनल अकाली दल के अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा को सरोपा पहनकर स्वागत किया।रविंदर पाल सिंह नागपाल ने बताया 5

साल से लेकर 18 साल के बच्चों ने कीर्तन गाकर संगत को निहाल किया कमेटी की ओर से बच्चों को इनाम भी दिए गए। इस अवसर पर परमजीत सिंह पम्मा ने सबको खालसा साजना दिवस की बधाई देते हुए कहा हमें इसी प्रकार बच्चों को गुरु घर से जोड़ना चाहिए। और समय-समय पर धर्म प्रचार से जोड़ने के लिए बच्चों के ऐसे आयोजन होने चाहिए क्योंकि बच्चों का रुख मोबाइल की ओर जाता जा रहा है जिससे बच्चों का भविष्य बिगड़ता जा रहा है।

काला शा काला के प्रमोशन के लिए जनकपुरी पहुंचे गाने के स्टार कास्ट

दिव्या दिल्ली : पांजाबी सिंगर रामजी गुलाटी द्वारा मशहुर पंजाबी लोकगीत काला शा काला गाने का रिमिक्स बनाया गया जिसे दर्शकों का काफी प्यार मिल मिल रहा है।

गाने की लोकप्रियता को देकते हुए सिंगर सहित पूरे स्टारकास्ट के काम को भी लोग काफी पंसद कर रहे है। इसी क्रम में दिल्ली की जिनकपुरी के द हैयर अफेर्स सेलून में गाने के प्रमोशन के लिए सिंगर राम जी गुलाटी, एक्टर अविनाश मिश्रा, एक्ट्रेस ईशा सिंह सहित पुरी स्टार कास्ट पहुचीं,जिसे गोल्डन स्पार्क एंटरटेनमेंट द्वारा आयोजित किया गया। मिडिया से बात करते हुए सिंगर रामजी गुलाटी बताया यह गाना पंजाबी फोक सोंग काला शा काला को नए तरीके से बनया गया है जो दर्शकों को खुब पसंद आ रहा है, गाने की शुटिंग थाइलेंड में की गई है जो इसे नए तरीके से दर्शकों के सामने पेश करते है और गाने को अब तक के बने सभी रिमिक्स से अलग बनाता है। गाने में बिग बॉस फेम एक्टर अविनाश मिश्रा और ईशा सिंह की जोड़ी को इस गाने में फिलमाया गया है जो गाने को खास बनाता है। बता दे की काला शा काला एक मशहुर पंजाबी लोकगीत है जिसे देसी तड़का म्यूजिक के साथ मिलकर सिंगर रामजी गुलाटी द्वारा रिमिक्स बनाया है जो गाने को नए तरीके से पेश करता है।

वक्फ संशोधन मुसलमानों के लिए सही नहीं : मदनी

नई दिल्ली

वक्फ संशोधन कानून को लेकर मुस्लिम संगठनों की दिल्ली में बड़ी बैठक आयोजित की गई। वक्फ संशोधन अधिनियम पर जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख महमूद मदनी ने कहा कि वक्फ संशोधन अधिनियम देश, समाज या मुसलमानों के लिए सही नहीं है। हमारी लड़ाई जारी रहेगी, खत्म नहीं होगी, चाहे हमें कितनी भी कुर्बानी देनी पड़े। महमूद मदनी ने कहा, "यह वक्फ का मामला नहीं बल्कि राजनीति है। मुसलमानों के

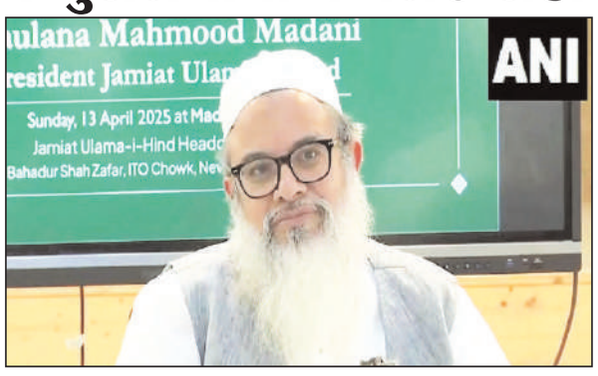

नाम पर, कभी मुसलमानों को गाली देकर या मुसलमानों का हमदर्द बनकर दुर्भावना के साथ इस अधिनियम को लागू किया गया। यह अधिनियम या संशोधन देश, समाज या मुसलमानों के लिए सही नहीं है।" मदनी ने कहा, 'हमारी लड़ाई जारी रहेगी, खत्म नहीं होगी, चाहे हमें कितनी भी कुर्बानी देनी पड़े। हमने आजादी से पहले भी कुर्बानियां दी हैं।

अगर हमें लड़ना पड़ा तो हम लड़ेंगे। अगर हमें सब्र करना है तो हम वो भी करेंगे। हम हर स्थिति के लिए तैयार हैं। हम न्याय का इंतजार कर रहे हैं।' उन्होंने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने की अपील करते हुए कहा कि इस कानून के खिलाफ हर जगह शांतिपूर्ण प्रदर्शन होने चाहिए।

पेगासस स्पाइवेयर के जरिये जिनकी जासूसी हुई, उनका ब्योरा दे केंद्रः कांग्रेस

नई दिल्ली

कांग्रेस ने केंद्र सरकार से अनुरोध किया है कि वह सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अमेरिका की अदालत में हुए हालिया राजफाशों के बारे में बताएं जिसमें 100 भारतीयों की पेगासस स्पाइवेयर के जरिये जासूसी का उल्लेख है। साथ ही कहा कि सरकार को उन 100 भारतीयों का ब्योरा देना चाहिए।

पेगासस का इस्तेमाल 100 भारतीयों का मोबाइल हुआ हैक

कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने एक प्रेस कान्फ्रेंस में कहा कि यह स्पष्ट है कि पेगासस का इस्तेमाल 100 भारतीयों के मोबाइल फोन को हैक करने के लिए किया गया।

टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज में "फिल्म फिएस्टा 2025" का भव्य आयोजन

दिव्या दिल्ली : टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज मे जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग द्वारा आयोजित वार्षिक फिल्म फेस्टिवल "फिल्म फिएस्टा 2025" का भव्य आयोजन संस्थान परिसर में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों की रचनात्मकता और फिल्म निर्माण कौशल को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी, डीन, यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मास कंमुनिकेशं), गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, ने शिरकत की और विद्यार्थियों को फिल्म और मीडिया के बदलते परिदृश्य पर अपने प्रेरणादायक विचार साझा किए।कार्यक्रम के जज के रूप में डॉ. सचिन भारती, एसोसिएट प्रोफेसर, USMC, GGSIPU, उपस्थित रहे, जिन्होंने प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन करते हुए उन्हें मार्गदर्शन प्रदान किया।इस फेस्टिवल में कुल 18 प्रविष्टियों का चयन किया गया था, जिसमें छात्रों ने विभिन्न सामाजिक, रचनात्मक और तकनीकी विषयों पर फिल्में प्रस्तुत कीं। विजेताओं में प्रमुख नाम रहे। प्रथम स्थान - अकादत, जखीर हुसैन, दिल्ली यूनिवर्सिटी दूसरा स्थान - ऑटो - महल, 35 एम एम, विवेकानंद ईस्टिट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज तीसरा स्थान - धृतराष्ट्र, जिमस् ग्रेटर नॉएडा इस आयोजन का सफल संचालन द्यान्शी शर्मा, प्रज्ञान्श तिवारी, दीपिका पंचाल, अंशिका और अनमोल अभिचंदानी द्वारा किया गया। इन सभी ने अपने उत्कृष्ट समन्वय से कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।कार्यक्रम संयोजक मयंक अरोड़ा के नेतृत्व और मार्गदर्शन में यह महोत्सव अपने उद्देश्यों में पूरी तरह सफल रहा।टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज एक प्रमुख संस्था है, जिसे गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी से मान्यता प्राप्त है, जो उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करने और रचनात्मक प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।इस मौके पर कॉलेज के चेयरमैन डॉ. राम कैलाश गुप्ता, वाइस चेयरपर्सन श्रीमती संध्यां बिंदल, कॉलेज निदेशक डॉ. अजय कुमार एवं डीन अकैडमिक्स डॉ. एम. एन. झा एवं बीजेएमसी विभागाध्यक्षगण डॉ. गोपाल ठाकुर,डॉ. शिवेंदु राय की गरिमामयी उपस्थिति भी रही, जिन्होंने कार्यक्रम की सफलता में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। सभी विशिष्ट अतिथियों का कार्यक्रम में सम्मान भी किया गया।फिल्म फिएस्टा 2025 एक प्रेरणास्पद मंच के रूप में उभरा, जिसने नवोदित फिल्मकारों को अपनी रचनात्मकता प्रदर्शित करने का सशक्त अवसर प्रदान किया।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397